21 korba-BHOOMI-pg-1_Layout 1 12/21/2023 11:59 PM Page 1

तापमान

अधिकतम 28.0 डिग्री

न्यूनतम 24.0 डिग्री

हरिभूमि
कोरबा भूमि

बिलासपुर, शुक्रवार 22 दिसंबर 2023

दीपका | कटघोरा | छुरी | पाली | करतला | पोड़ीउपरोड़ा

4

38 दिन में 6 लाख क्विंटल की खरीदी, 28 दिन में खरीदना होगा 19 लाख क्विंटल धान

हाईवे पर गजराज, सीसीएफ व डीएफओ ने रफ्तार रोककर पार कराया सड़क

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

अलग खबर

हाथियों के लिए कटघोरा वनमंडल अब बेहतर घरौंदा बन चुका है। अक्सर हाथियों का झुंड हाईवे पर विचरण करता है जहां बुधवार की रात एक दंतैल हाथी फिर से हाईवे पार करने की कोशिश कर रहा था लेकिन हाईवे पर इतनी तेज रफ्तार से गाड़ियां दौड़ रही थी कि वह सड़क को पार नहीं कर पा रहा था और इधर-उधर कर रहा था। इस बीच जब वन अफसरों की नजर दंतैल पर पड़ी तो उन्होंने हाईवे की रफ्तार रोकी और गजराज को सड़क पार कराया। इसके बाद पुनः सड़क को बहाल किया गया।

उल्लेखनीय है कि कटघोरा वनमंडल के विभिन्न वन परिक्षेत्र में 50 से अधिक हाथियों का बसेरा है। जिसमें से केंदई वन परिक्षेत्र में व पसान परिक्षेत्र में हाथी लगातार विचरण कर रहे हैं। हाथियों का झुंड अक्सर केंदई वन परिक्षेत्र के अंतर्गत आने वाले कापानवापारा के समीप हाईवे को पार करते हैं। जिसकी वजह से अक्सर हाईवे की रफ्तार थम जाती है। बुधवार की देर शाम लगभग 4 से 5 बजे फिर से कुछ ऐसा ही नजारा देखने को मिला। बताया जाता है कि एक दंतैल हाथी कापानवापारा के पास सड़क पार करने की कोशिश कर रहा था लेकिन सड़क पर यातायात का दबाव इतना था कि लगातार वाहनों की रफ्तार इतनी तेज थी कि वह दंतैल हाथी सड़क पार नहीं कर पा रहा था और यहां वहां उछलकूद मचा रहा था। जिसकी वजह वह बार-बार अपने कदम पीछे खींच ले रहा था इसी बीच देर शाम को बिलासपुर सीसीएफ राजेश चंदेले व कटघोरा वनमंडलाधिकारी कुमार निशांत टिहरी सराय से वापस लौट रहे थे जहां उनकी नजर इस दंतैल हाथी पर पड़ी तो उन्होंने अपनी गाड़ी को रोका और दंतैल हाथी की हरकत देख उन्हें तत्काल समझ में आ गया कि वह सड़क पार करना चाहता है जिसके उपरांत अधिकारियों ने ही बीड़ा अपने हाथों में उठा लिया और हाईवे पर दोनों तरफ अधिकारी जा पहुंचे और हाईवे की रफ्तार रोकी गई जिसके उपरांत दंतैल हाथी सड़क पार कर जंगल की ओर चला गया। लगभग 20 से 25 मिनट इसकी वजह से हाईवे की रफ्तार रुकी रही। जिसके उपरांत जब दंतैल हाथी सुरक्षित जंगल की ओर चला गया तब वन विभाग ⏭ शेष पेज 3 पर

गोल्डन आईलैंड से लौट रहे थे अफसर

खास बातें

- केन्दई परिक्षेत्र के कापा-नवापारा में लगभग आधे घंटे तक रुकी थी रफ्तार
- अक्सर हाथियों का झुंड यहीं से होता है पार

परला और कापानवापारा सबसे अहम है पॉइंट

कटघोरा वनमंडलाधिकारी कुमार निशांत ने जानकारी देते हुए बताया कि हाथियों का झुंड सबसे अधिक केंदई, पसान व एतमानगर रेंज में विचरण करते हैं। फिलहाल 7 स्थान को अंडरपास के लिए चिन्हांकित किया गया है लेकिन सबसे अहम स्थान परला कापानवापारा में अंडरपास बनाना सबसे अहम होगा क्योंकि इसी स्थान पर हाथी अक्सर इस दिशा से उस दिशा पार करते हैं। पिछले कुछ वर्षों के दौरान सबसे अधिक इसी स्थान से हाथियों ने यहां से पार किया है। बताया जाता है कि परला कापानवापारा की बीच की दूरी लगभग 12 किलोमीटर है जहां इसी दोनों स्थान में सबसे अधिक अंडरपास की आवश्यकता वन विभाग महसूस कर रहा है।

खबर संक्षेप

प्लेसमेंट कैंप का आयोजन आज

कोरबा। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र कोरबा द्वारा 22 दिसंबर को प्लेसमेंट कैंप का आयोजन किया जा रहा है। इस कैंप में बॉम्बे इंटीग्रेटेड सिक्योरिटी इंडिया लिमिटेड शंकर नगर रायपुर में सिक्योरिटी गार्ड के 150 पद, वेदांता स्कील स्कूल बालको कोरबा में फूड एंड बेवरेज के 60 पद, सिविंग मशीन ऑपरेटर के 60 पद, वेल्डर के 30 पद फीटर के 30 पद तथा सोलर पी.वी. इंस्टालर के 30 पदों पर नियुक्ति की जाएगी। उक्त पदों हेतु 18 से 30 वर्ष की आयु सीमा के साथ 10वीं, 12वीं एवं आईटीआई डिप्लोमा की शैक्षणिक योग्यता वांछनीय है। इच्छुक आवेदक 22 दिसंबर को प्रातः 11 बजे कार्यालय जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र में उपस्थित होकर रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकते हैं।

राष्ट्रीय शालेय क्रीडा प्रतियोगिता हेतु बैठक आज

कोरबा। जिले में 67वीं राष्ट्रीय शालेय क्रीडा प्रतियोगिता 2023-24 के सफल आयोजन के संबंध में कलेक्टर सौरभ कुमार की अध्यक्षता में 22 दिसंबर को कलेक्टोरेट सभाकक्ष में सुबह 11 बजे बैठक आयोजित की गई है। यह प्रतियोगिता आगामी 28 जनवरी से 1 फरवरी तक आयोजित की जाएगी। जिसमें 14 से 19 वर्ष तक के बालक-बालिकाएं प्रतिभागी होंगे।

लेखा समाधान की बैठक 28 को

कोरबा। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार विधानसभा निर्वाचन 2023 के परिणाम की घोषणा के 26वें दिन लेखा समाधान बैठक का आयोजन 28 दिसंबर को दोपहर 3 बजे किया जाएगा। बैठक में सभी अभ्यर्थियों को अपने निर्वाचन व्यय की न्यूनोक्त राशि का लेखा समाधान हेतु एक अवसर प्रदान किया जाएगा, जिस हेतु सभी अभ्यर्थियों को आवश्यक जानकारी सहित बैठक में उपस्थित होने हेतु निर्देशित किया गया है।

दावा-आपत्ति निराकरण पश्चात सूची जारी

कोरबा। जिला वनोपज सहकारी यूनियन मर्यादित कोरबा अंतर्गत प्राथमिक वनोपज सहकारी समिति मर्यादित, बताती, पुरैना, रजगामार में प्रबंधक के रिक्त पद हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किए गए थे। उक्त आवेदन पत्रों के संबंध में पात्र-अपात्र अभ्यर्थियों की सूची जिला यूनियन कार्यालय कोरबा वनमण्डल कोरबा एवं समिति कार्यालय में चस्पा की गई है। वनमण्डलाधिकारी/प्रबंध संचालक जिला वनोपज सहकारी यूनियन मर्यादित वनमण्डल कोरबा ने जानकारी देते हुए बताया कि उक्त भर्ती हेतु जारी पात्र-अपात्र सूची के संबंध में 20 जुलाई से 11 अगस्त 2023 तक दावा आपत्ति आमंत्रित किया गया था। निर्धारित अवधि में प्राप्त दावा आपत्ति के निराकरण कर सूची वनमण्डल कार्यालय के सूचना पटल में अभ्यर्थियों के अवलोकन हेतु चस्पा की गई है।

कांग्रेस करेगी 22 को एक दिवसीय धरना प्रदर्शन

कोरबा। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण एवं शहर द्वारा 22 दिसम्बर को प्रातः 11 बजे से टी पी नगर चौक पर एक दिवसीय धरना प्रदर्शन का आयोजन किया गया है। उक्त जानकारी देते हुए जिला कांग्रेस अध्यक्ष द्वय श्रीमती सपना चौहान एवं सुरेन्द्र प्रताप जायसवाल ने बताया कि केंद्र की भाजपा सरकार ने देश की लोकतंत्र पर अभूतपूर्व हमला करते हुए संसद के दोनों सदनों से विपक्ष के 142 सांसदों को निलंबित कर दिया है।

एनवायनिक्स ट्रस्ट की रिपोर्ट में खुलासा

प्रदूषण मामले में कोरबा पहुंचा दिल्ली के करीब

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

औद्योगिक नगरी कोरबा प्रदूषण के मामले में दिल्ली शहर के बहुत करीब पहुंच चुका है। एनवायनिक्स ट्रस्ट द्वारा दोनों शहरों के प्रदूषण का लगातार अध्ययन करने के बाद जारी रिपोर्ट में इसका खुलासा हुआ है। रिपोर्ट में कोरबा का पार्टीकुलेट मेटर (पीएम) का स्तर दिल्ली पीएम के करीब पहुंच गया है। एनवायरनिक्स ट्रष्ट की नियमित निगरानी पर रिपोर्ट डाले तो कई बार ऐसा हुआ है जब दिल्ली से भी अधिक प्रदूषण की मार कोरबा के रहने वालों को झेलनी पड़ी है। अक्टूबर माह के दौरान कोरबा में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 227 तो दिल्ली का 243 रहा।

उल्लेखनीय है कि जिले में दर्जन भर से अधिक कोयला आधारित विद्युत संयंत्रों से लगभग 8500 मेगावाट विद्युत उत्पादन होता है। कोल इंडिया से संबद्ध एसईसीएल की 14 से अधिक खदानों से सालाना 1250 लाख टन से अधिक कोयला उत्पादन हो रहा है। खदानों में होने वाले उत्खनन व परिवहन की वजह से कोल डस्ट यहां की सबसे अधिक समस्या है। खदानों में होने वाले उत्खनन व परिवहन की वजह से कोल डस्ट यहां की सबसे बड़ी समस्या बनकर उभर रही है। विद्युत संयंत्रों के चिमनियों से निकलने वाले धुएं की वजह से शहर की वायु भी प्रदूषित हो रही है। उचित प्रबंधन के अभाव में बिजली संयंत्रों के राखड़ बांध से भी राख वातावरण में घुल रही है। ज्यादातर विद्युत संयंत्र प्रबंधन भर चुके बांध से राख परिवहन कर लो लाइन एरिया के नाम पर रिहायसी इलाकों में डंप कर रहे हैं, इसकी वजह से भी पर्यावरण को बहुत नुकसान पहुंच रहा है। सड़क निर्माण कार्यों में भी राख का उपयोग किया जा रहा है, पर राख सूखकर न उड़े इसकी व्यवस्था नहीं की गई है। इसी का प्रमाण है कि पदूषण का स्तर कोरबा जिले में दिन ब दिन बढ़ता ही जा रहा है।

खास बात

- कोरबा की एक्यूआई 227 तो दिल्ली का 243

फाइल फोटो

उपाय कई, पर नतीजा सिफर

एनटीपीसी, बालको व लैंको के बिजली संयंत्रों में लगे चिमनियों से धुएं के साथ निकलने वाले राख के कण को रोकने इलेक्ट्रोस्टैटिक प्रीसिपिटेटर सिस्टम (ईएसपी) लगाए गए हैं। इस संयंत्र की स्थापना के लिए प्रति यूनिट औसतन 30 लाख रूपये खर्च किए गए हैं। एक राखड़ बांध में पानी छिड़काव व रखरखाव के लिए सालाना 1 करोड़ रूपये खर्च किए जा रहे हैं। सड़क निर्माण कार्य के लिए परिवहन खर्च विद्युत कंपनियां खुद उठा रही हैं। इसमें भी हर साल 12 करोड़ रूपये खर्च किया जा रहा है। यही नहीं पर्यावरण संतुलन के लिए हर वर्ष औसत 8 करोड़ रूपये खर्च किए जा रहे हैं। इसके बावजूद हालात नहीं सुधर रहे हैं।

दिवाली पर 35 प्रतिशत बढ़ा प्रदूषण स्तर

दिवाली पर्व पर जिले का एक्यूआई 229 रहा। इसके एक दिन पहले 11 अक्टूबर को 178 एक्यूआई रहा। इस लिहाजा से 35 प्रतिशत प्रदूषण दूसरे दिन के मुकाबले फटाखे फोड़े जाने की वजह से दिवाली के दिन अधिक रहा। बात करें देश की राजधानी दिल्ली की तो दिवाली के दिन यहां एक्यूआई 388 जा पहुंचा, एक दिन पहले यह 161 रहा। दिल्ली में फटाखों पर प्रतिबंध के बावजूद लोगों ने इसका उल्लंघन किया। दिवाली पर्व पर फाटाखों की वजह से बढ़े प्रदूषण का असर केवल 16 घंटे ही रहा। यदि अन्य जिलों में भी प्रदूषण को कम करने के क्षेत्र में काम किया जाए तो दिवाली पर फटाखे फोड़ने पर प्रतिबंध लगाने की नौतब नहीं आएगी।

कोरबा की प्रदूषण 200 से 300 एक्यूआई

एनवायरनिक्स ट्रष्ट विश्व स्वास्थ्य संगठन की गाइड लाइन के मापदण्डों के अनुसार कोरबा व दिल्ली दोनों शहरों के प्रदूष स्तर की नियमित निगरानी कर रही है। संस्था ने कोरबा में सरईसिंगार, हरदीबाजार, पाली, दर्री, जमनीपाली, कुसमुंडा सहित 17 वायु गुणवत्ता मॉनिटर मशीन लगाए गए थे। वायु प्रदूषण का स्तर जांचने 6 कैटेगरी बनाई गई है। जिसमें कोरबा 200 से 300 एक्यूआई कैटेगरी पर है, इसे कमजोर स्तर माना जाता है। यही स्थिति रही तो 300 से 400 एक्यूआई आने में समय नहीं लगेगा और यह वेरी पुअर कैटेगरी में आ जाएगा। इसका प्रतिकूल असर यहां रहने वाले लोगों के स्वास्थ्य पर पड़ रहाहै। बीते वर्ष अकेले जिला मेडिकल कॉलेज अस्पताल में दमा के लगभग 5 हजार मरीज इलाज के लिए पहुंचे।

स्कूल समय में अनुपस्थित दो शिक्षकों पर होगी कार्रवाई

निरीक्षण के दौरान बच्चों से सवाल जवाब करते एसडीएम।

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

कलेक्टर सौरभ कुमार के निर्देश पर एसडीएम पाली श्रीमती रूचि शार्दुल ने गुरुवार को शासकीय हाईस्कूल इरफ का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान प्राचार्य एन.एन. इशाक और व्याख्याता नारायण प्रसाद देवांगन बिना अनुमति के अनुपस्थित मिले। दोनों को नोटिस जारी किया गया है। इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों की कक्षा लेकर शिक्षकों द्वारा कराए जाने वाले अध्ययन के विषय में जानकारी ली। उन्होंने विद्यार्थियों को शिक्षा का महत्व बताते हुए मन लगाकर पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया। जनपद सीईओ खगेश निर्मलकर पोड़ी-उपरोड़ा द्वारा प्राथमिक शाला बांधापारा, लेपरा और आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण किया गया। जनपद सीईओ श्री यशपाल सिंह कटघोरा द्वारा प्राथमिक शाला एवं माध्यमिक शाला विजयपुर और आंगनबाड़ी केंद्र जेंजरा का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सभी शिक्षक उपस्थित मिले। उन्होंने स्कूलों में दिए जाने वाले मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता की जांच की। आंगनबाड़ी केंद्र में पूरक पोषण आहार सहित बच्चों की उपस्थिति की जांच की गई। इसी तरह जनपद पंचायत पाली के सीईओ भूपेंद्र कुमार सोनवानी द्वारा प्राथमिक शाला सैला का निरीक्षण किया गया। जहां प्रधानपाठक मनमोहन डिक्सेना अनुपस्थित मिले।

खास बात

- एसडीएम ने किया हाई स्कूल इरफ का निरीक्षण

प्रधानपाठक अग्रवाल निलंबित

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटघोरा

प्राथमिक आश्रम शाला घरीपखना विकासखण्ड पोड़ी-उपरोड़ा मे पदस्थ संदीप कुमार अग्रवाल प्रधानपाठक के विरूद्ध आश्रम की छात्राओं के साथ मारपीट करने, शारीरिक एवं मानसिक शोषण संबंधी शिकायत पर की गई जांच और जांच प्रतिवेदन सही पाए जाने पर उक्त प्रधानपाठक को निलंबित कर दिया गया है। जिला शिक्षा अधिकारी से मिली जानकारी के अनुसार कार्यालय कलेक्टर (आदिवासी विकास) कोरबा के द्वारा दिए गए जांच प्रतिवेदन के आधार पर प्राथमिक आश्रम शाला घरीपखना पोड़ी-उपरोड़ा में पदस्थ प्रधानपाठक संदीप कुमार अग्रवाल के विरूद्ध छात्राओं के साथ मारपीट करने के साथ ही शारीरिक एवं मानसिक शोषण संबंधी शिकायत सही पाई गई। प्रधानपाठक के उक्त कृत्य को कर्तव्य के प्रति लापरवाही, उदासीनता एवं अनुशासनहीनता तथा छत्तीसगढ़ सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के विपरीत मानते हुए छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम 1966 के नियम 9 (2) (क) के तहत निलंबित कर दिया गया है। निलंबन अवधि में इनका मुख्यालय शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मोरगा विकासखण्ड पोड़ी-उपरोड़ा नियत किया गया है।

प्राथमिक शाला आश्रम घरीपखना जहां की छात्राओं ने की थी शिकायत।

भूमि का सीमांकन करने पहुंचे एसईसीएल के अफसरों को बंधक बनाकर मारपीट, मामला दर्ज

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

सीसीएल के अफसरों की एक टीम भूमि के सीमांकन करने के लिए पहुंची हुई थी। जहां भूविस्थापित बड़ी संख्या में जहां पहुंचे और सीमांकन करने पहुंचे एसईसीएल के अफसरों को भूमि नापने तो दिया नहीं और अफसरों को बंधक बनाकर उनके गाली-गलौज कर मारपीट की घटना को अंजाम दिया है। एसईसीएल के अफसर की लिखित शिकायत पर पुलिस ने ग्रामीणों के खिलाफ धारा 147, 186, 323, 342, 353 एवं 506 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर लिया है, मामला कुसमुंडा थाना क्षेत्र की ग्राम जटराज की है।

जानकारी के अनुसार एसईसीएल के अफसरों की टीम बुधवार की दोपहर ग्राम जटराज पहुंची थी। जहां गांव का इलाका जमीन खदान से लगा हुआ है और इस गांव की जमीन एसईसीएल की खदान की जद में है। इसलिए अफसरों की टीम भूमि के सीमांकन करने के लिए पहुंची हुई थी। जैसे ही ग्रामीणों को इसकी भनक लगी तो एसईसीएल के अफसर भूमि के सीमांकन के लिए पहुंचे हैं। ग्रामीण बड़ी संख्या में मौके पर जा पहुंचे और अफसर के साथ गली-गल करने लगे और भूमिका सीमांकन करने से रोक दिया। साथी अफसर को बंधक बनाने का भी प्रयास किया और जमकर गली-गलज करते हुए उनके साथ मारपीट की घटना को अंजाम दिया है। अफसर की टीम सीमांकन तो नहीं कर पाई और उल्टे पांव वापस लौट गई। मामले की शिकायत एनके सोनी नामक अधिकारी ने कुसमुंडा पुलिस से की है। जिसकी रिपोर्ट पर पुलिस ने ग्राम जटराज में निवास करने वाले जोगीराम पटेल, मोहन राम पटेल, राजेंद्र पटेल, भारत लाल, रामाधार, पतिराम, कीरू राम सहित अन्य ग्रामीणों के खिलाफ धारा 147, 186, 323, 342, 353 एवं 506 के तहत अपराध पंजीकृत किया गया है। ज्ञात रहे कि एक दिन पहले ही दीपका पुलिस ने इसी तरह का मामला दर्ज किया था, जिसमें एक निजी कंपनी में काम करने वाले ग्रामीणों द्वारा अक्सर खदान में घुसकर काम में व्यवधान उत्पन्न किया जाता था और खदान का काम रोका जाता था, जिसकी वजह से कोयला उत्पादन बुरी तरह से प्रभावित होता था। दीपिका पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया था।

खास बात

- कुसमुंडा थाना क्षेत्र के ग्राम जटराज का मामला

दोनों कोल ब्लॉक में 1610 मिलियन टन कोयले का भंडार

करतला साउथ व नार्थ कोल ब्लॉक की होगी नीलामी

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

कोल इंडिया ने प्रदेश के कुल 8 कोयला खदानों को नीलामी सूची में शामिल किया है। इसमें जिले के करतला नार्थ और करतला साउथ कोल ब्लॉक शामिल है। जिनमें 1610 मिलियन टन कोयले का भंडार है। दोनों ही कोल ब्लॉक के लगभग 52 प्रतिशत क्षेत्र ग्रीन जोन में शामिल है, जो हाथी व भालू प्रभावित क्षेत्र है। आने वाले दिनों में जिले के इन दोनों कोल ब्लॉक के नीलामी की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

कोल इंडिया द्वारा कर्मर्शियल कोल माइनिंग के तहत 9वें दौर की नीलामी की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इसके तहत चार राज्यों छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, झारखंड एवं तेलंगाना में स्थित 26 कोल ब्लॉक की नीलामी होगी। नीलामी सूची में प्रदेश के 8 कोयला खदानों को सम्मिलित किया गया है। इनमें जिले में स्थित करतला नार्थ एवं करतला साउथ कोल ब्लॉक भी शामिल है। दोनों कोल ब्लॉक के 52 फीसदी क्षेत्र में घना जंगल है। यह इलाका हाथी और भालू के विचरण वाला है। करतला को जून 2022 में भी नीलामी सूची में शामिल किया गया था, लेकिन इसके लिए बोली नहीं लगी थी। करतला नार्थ कोल ब्लॉक का क्षेत्रफल 36.4 स्क्वायर किलोमीटर है। जहां 690 मिलियन टन कोयले का भंडर है। इस कोल ब्लॉक का 51 प्रतिशत हिस्सा घने जंगलों वाला है। इसी तरह करतला साउथ ब्लॉक का क्षेत्रफल 36.4 स्क्वायर किलोमीटर है। जहां 920 मिलियन टन कोयले का भंडार है। यह कोल ब्लॉक का 52 प्रतिशत हिस्सा घने जंगलों वाला है। कोयला मंत्रालय के शेड्यूल के अनुसार बोली जमा करने की अंतिम तारीख 19 फरवरी है। तकनीकी बोली 20 फरवरी को खुलेगी। जमा बोलियों का परीक्षण 21 फरवरी से 6 मार्च तक होगा। ऑक्शन 7 मार्च से 20 मार्च के बीच होगा।

फाइल फोटो

तीन ट्रैक्टर, एक हाईवा जब्त अवैध उत्खनन पर कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

कलेक्टर सौरभ कुमार द्वारा खनिज विभाग को जिले में अवैध उत्खनन एवं परिवहन रोकने के कड़े निर्देश लगातार दिए जा रहे हैं। इसी कड़ी में खनिज विभाग द्वारा अवैध उत्खनन और परिवहन में संलग्न चार ट्रैक्टरों पर कल कार्यवाही के पश्चात हरदीबाजार क्षेत्र में मिट्टी-ईंट के एक ट्रैक्टर, रेत के एक हाईवा, कुसमुण्डा क्षेत्र में रेत के एक ट्रैक्टर, कोरबा क्षेत्र में मिट्टी-ईंट के एक ट्रैक्टर जब्त किया गया है। इस संबंध में अधिक जानकारी के लिए खनिज अधिकारी प्रमोद नायक के मोबाइल नंबर 7587350731 में संपर्क किया जा सकता है।

अगले साल के लिए ऐसा बनाएं पोर्टफोलियो, रहेंगे फायदे में

इक्विटी, डेट और गोल्ड के सही बैलेंस से मिलेगा हाई रिटर्न, राजनीतिक निरंतरता भी बाजार के आत्मविश्वास को बढ़ा रही

- वर्तमान वैल्युएशन पर, लाजकैप में मिडकैप और स्मॉलकैप की तुलना में अधिक सेफ्टी मार्जिन
- शेयर बाजार रोज नए रिकॉर्ड बना रहा, सभी फंडों में दिख रहा उछाल, दे सकता है बढ़िया रिटर्न
- बाजार की लेटेस्ट रैली में सेंसेक्स 70500 के लेवल से पार गया, निवेशकों ने करोड़ों कमाए
- निफ्टी भी 21150 के पार निकला और लाखों निवेशकों को दे गया अच्छा मुनाफा

बिजनेस डेस्क

अगर आप निवेशक हैं या निवेश करने जा रहे हैं और अगले साल अच्छा मुनाफा चाहते हैं जो कुछ बातें पल्ले गांठ बांध लें और निवेश के लिए तैयार हो जाएं। अपने पोर्टफोलियों को इक्विटी, डेट और गोल्ड के सही बैलेंस से मजबूत बना लें और अच्छा मुनाफा कमाने के लिए तैयार हो जाएं। इससे आपको हाई रिटर्न मिलेगा और आप आसानी से मालामाल हो जाएंगे। राजनीतिक निरंतरता भी बाजार के आत्मविश्वास को बढ़ा रही हैं। जो निवेशकों के लिए बेहद फायदेमंद हैं। तो आप भी निवेश के लिए तैयार हो जाएं और नए साल से पहले अपने पोर्टफोलियो को रीबैलेंस करने के बारे में विचार करें। वैसे भी शेयर बाजार रोज नए रिकॉर्ड बना रहा है।

बाजार की लेटेस्ट रैली में सेंसेक्स 70500 के लेवल को पार कर गया तो निफ्टी भी 21150 के पार निकल गया। साल 2023 में दोनों इंडेक्स में 16 से 17 फीसदी तेजी आई है। ऐसे में बाजार का वैल्युएशन एक चिंता वाली बात है। इसलिए नए साल के पहले अलग-अलग एसेट क्लास मसलन इक्विटी, डेट और गोल्ड में अपना पैसा बैलेंस तरीके अलोकेट करना चाहिए, ताकि पोर्टफोलियो को डाइवर्सिफाइड तरीके से मजबूत किया जा सके। साथ ही आने वाले दिनों में रिस्क कम करते हुए बेहतर रिटर्न हासिल हो सके। बाजार के जानकारों का कहना है कि इस साल आप सधी शुरूआत के साथ बाजार में उतरेंगे और अपनी रिस्क क्षमता के साथ सावधानीपूर्वक बाजार का मंथन कर निवेश करेंगे तो बेहद कम समय में ही मालामाल होकर अपने भविष्य को आर्थिक रूप से सुरक्षित कर लेंगे। इस रिपोर्ट में हम आपको कुछ ऐसे ही ऐसेट्स बताएंगे जो आपको निवेश करने में काफी मददगार साबित हो सकते हैं। हलांकि बाजार में उतार-चढ़ाव तो बना ही रहता है।

अभी किस एसेट पर क्या व्यू

- इक्विटी: ओवरवेट - बेहतर मैक्रो के चलते बाजार में रहेगी तेजी
- डेट : न्यूट्रल
- गोल्ड : न्यूट्रल
- **इक्विटी:** रैली बनाए रखने पर बाजार की नजर

कई ब्रोकरेज हाउस के अनुसार फेवरेबल मैक्रोज के चलते बाजार की अभी एक और रैली पर नजर है। ओवरआल इक्विटी मार्केट के पक्ष में मैक्रोइकोनॉमिक आउटलुक में बदलाव के कारण नवंबर 2023 भारतीय इक्विटी मार्केट के लिए एक रिकवरी महीना साबित हुआ, जिसके चलते निफ्टी ने 1 दिसंबर, 2023 को 20,268 के आल टाइम हाई को टच कर लिया और निवेशकों को बेहतर मार्जन दिया। कई मैक्रोइकोनॉमिक पैरामीटर्स में सुधार से मसलन, अमेरिका में 10-साल की बॉन्ड यील्ड में कूल-ऑफ, कच्चे तेल की कीमतों में नरमी, हाई-फ्रीक्वेंसी इंडिकेटर्स में सुधार, क्यू-2एफवाई-24 में मजबूत अर्निंग, और राज्य चुनावों में सत्ताधारी दल के बेहतर प्रदर्शन। सभी चीजें बाजार के अनुकूल दिखाई दे रही हैं। ऐसे में निवेशकों को घबराना नहीं चाहिए। हालांकि थोड़े लंबे समय के लिए निवेश करना चाहिए।

निफ्टी के लिए बड़ा टारगेट

कुछ ब्रोकरेज हाउस का कहना है कि वर्तमान वैल्युएशन पर, लार्जकैप में मिडकैप और स्मॉलकैप की तुलना में अधिक सेफ्टी मार्जिन दिख रहा है। बहरहाल, ब्रॉडर इंडियन मार्केट की लॉन्ग टर्म स्टोरी आकर्षक बनी हुई है और इस संदर्भ में,

'ग्रोथ ऐट ए रीजनेबल प्राइस' थीम अभी के माहौल में आकर्षक लग रही है। ब्रोकरेज ने दिसंबर 2024 के लिए निफ्टी का टारगेट बढ़ाकर 23,000 कर दिया है। यह और निवेशकों को लुभाने वाली बात है।

अर्थव्यवस्था में जारी रहेगी मजबूती

विधानसभा चुनावों में 4 प्रमुख राज्यों में से 3 में भाजपा के धमाकेदार प्रदर्शन के बाद यह मैक्रोइकोनॉमिक नैरेटिव और मजबूत हुआ है। 2024 के आम चुनावों में राजनीतिक निरंतरता की इस कहानी ने बाजार के आत्मविश्वास को और बढ़ा दिया है। इससे नीतिगत निरंतरता पर विजिबिलिटी भी बढ़ी है, जिससे घरेलू अर्थव्यवस्था को अपनी विकास गति को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। पिछले कुछ महीनों में मिडकैप और स्मॉलकैप की मजबूत पकड़ के साथ, हमारा मानना है कि लार्जकैप की तुलना में कुछ पॉकेट्स में मौजूदा स्तरों पर सेफ्टी मार्जिन कम हो गया है। जानकारों का कहना है कि अर्थव्यवस्था मजबूत रहेगी।

कहां व कितना करें निवेश

परिसंपत्ति	जोखिम	रूढ़िवादी	ग्रोथ	अग्रेसिव	
इक्विटी	0%	20%	50%	70%	90%
सोना	70%	70%	35%	15%	5%
ऋण	30%	10%	15%	15%	5%
कुल	100%	100%	100%	100%	100%

सोना: 'गिरावट पर खरीदें'

गोल्ड पर ब्रोकरेज हाउस ने न्यूट्रल स्टांस जारी रखा है और 'गिरावट पर खरीदारी' की रणनीति की सलाह दी है। इससे आपको अगले साल बेहतर रिटर्न मिल सकता है। स्वर्ण बाजार के जानकारों का मानना है कि अगने साल सोना 65 से 70 हजार प्रति दस ग्राम तक के स्तर को भी छू सकता है। गोल्ड में निवेशकों को अच्छा मार्जन मिलने के संकेत मिल रहे हैं। वहीं, कहा भी जाता है कि सोने में निवेश सबसे सुरक्षित है। हालांकि जानकार सोने को गिरावट के बाद ही खरीदने की सलाह दे रहे हैं।

बॉन्ड मार्केट

ब्रोकरेज हाउस ने जोखिम उठाने की क्षमता के आधार पर कुछ नोन-एएए एक्सपोजर वाले बॉन्ड के लिए क्वालिटी अप्रोच का रिकमेंडेशन करते हैं।

करंसी मार्केट को डायरेक्शन देने वाले इवेंट

1) एफओएमसी मीटिंग में ब्याज दरों को लेकर आगे क्या फैसला आता है
2) विकसित अर्थव्यवस्थाओं में ग्रोथ
3) तेल की कीमतें
4) कमोडिटी प्रॉसेस की दिशा
5) महंगाई और विकास की गतिशीलता
6) फॉरेन फ्लो की दिशा

- निवेश में विविधता लाएं, निवेश बढ़ाते जाएं
- अपने पोर्टफोलियो का नए सिरे से आकलन करें
- बाजार के मूड और माहौल के हिसाब से करें निवेश
- अलग-अलग एसेट क्लास में अपना पैसा अलोकेट करें
- अक्टूबर इक्विटी मार्केट के लिए सबसे अस्थिर महीना रहा

डायवर्सिफिकेशन के सूत्र को अपनाएं

बिजनेस डेस्क

अगर आप निवेशक हैं तो आपको अपने पोर्टफोलियो का नए सिरे से आकलन करना चाहिए। न सिर्फ आकलन करना चाहिए, बल्कि बाजार के मूड और माहौल के हिसाब से अलग अलग एसेट क्लास में अपना पैसा अलोकेट करना चाहिए, ताकि आपके पोर्टफोलियो को डाइवर्सिफिकेशन मिले और रिस्क को मैनेज करते हुए बेहतर रिटर्न हासिल हो सके। किस मार्केट साइकिल में आपको कितना पैसा कहां मसलन इक्विटी, गोल्ड, बांड या ऐसे दूसरे एसेट एसेट क्लास में होना चाहिए, इसका अपना खास महत्व है। एक ब्रोकरेज हाउस ने मल्टी एसेट अलोकेशन को लेकर अपनी एक रिपोर्ट दी है। इस रिपोर्ट में उसने कई अहम बिंदुओं को उठाया है। रिपोर्ट में बताया गया है कि आप किस तरह से अपने पोर्टफोलियो को डाइवर्सिफाई कर खुद को अमीर बना सकते हैं और कैसे अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं।

अभी किस एसेट पर क्या है व्यू

इक्विटी-'रीजनेबल प्राइस पर ग्रोथ'

रिपोर्ट के मुताबिक अक्टूबर 2023 की बात करें तो यह इक्विटी मार्केट के लिए एक अस्थिर महीना साबित हुआ, क्योंकि इस दौरान निफ्टी 50 टॉप लेवल से 6 फीसदी तक करेक्ट हुआ है। इस गिरावट का कारण बनने वाले कुछ महत्वपूर्ण फैक्टर थे। पहला: यूएस 10-ईयर बांड यील्ड में ग्रोथ। दूसरा: मिड ईस्ट में चल रहे जियो-पॉलिटिकल टेंशन। तीसरा: बढ़ती और अस्थिर कच्चे तेल की कीमतें। चौथा: कंजम्पशन ग्रोथ में नरमी।

ये रहे विनर

हालांकि, स्मॉल और मिडकैप पिछले एक साल में 29% और 25% की ग्रोथ के साथ विनर रहे हैं। यहां से आगे, बाजार में एक स्टाइल और सेक्टर रोटेशन देखने की संभावना है, पिछले कुछ महीनों में मिडकैप और स्मॉलकैप की मजबूत पकड़ के साथ, ब्रोकरेज हाउस का मानना है कि लार्जकैप की तुलना में कुछ पॉकेट्स में मौजूदा स्तरों पर सेफ्टी मार्जिन कम हो गया। इसे ध्यान में रखते हुए, ब्रॉडर मार्केट में निकट अवधि में कुछ समय के लिए करेक्शन देखा जा सकता है और फ्लो लार्जकैप की ओर ट्रांसफर होने की संभावना है।

ये सेफ्टी मार्जिन दे रहे

मौजूदा वैल्युएशन पर, हाई बांड यील्ड, बढ़ती कच्चे तेल की कीमतों और मजबूत डॉलर सूचकांक के मौजूदा सीनेरियो के बीच लार्जकैप, मिडकैप और स्मॉलकैप की तुलना में अधिक सेफ्टी मार्जिन प्रदान करते हैं। बहरहाल, ब्रॉडर मार्केट की लॉन्ग टर्म स्टोरी आकर्षक बनी हुई है और इस संदर्भ में, 'रीजनेबल प्राइस पर ग्रोथ' थीम वर्तमान समय में आकर्षक लग रही है। ब्रोकरेज ने दिसंबर 2023 के लिए निफ्टी का टारगेट 20,200 पर बनाए रखा है।

बॉन्ड मार्केट

कुछ ब्रोकरेज हाउस जोखिम उठाने की क्षमता के आधार पर कुछ नॉन-एएए एक्सपोजर वाले बॉन्ड के लिए क्वालिटी अप्रोच का रिकमेंडेशन करते हैं।

गोल्ड

गोल्ड पर ब्रोकरेज हाउस ने न्यूट्रल स्टांस जारी रखा है और 'गिरावट पर खरीदारी' की रणनीति की सलाह दी है।

करंसी मार्केट को ये देते हैं दिशा

1. एफओएमसी मीटिंग में ब्याज दरों को लेकर आगे क्या फैसला आता है
2. विकसित अर्थव्यवस्थाओं में ग्रोथ
3. तेल की कीमतें
4. कमोडिटी प्रॉसेस की दिशा
5. महंगाई और विकास की गतिशीलता
6. विदेशी प्रवाह की दिशा

क्रेडिट कार्ड ईएमआई में क्यों करना पड़ता है 18% ज्यादा भुगतान

- क्रेडिट कार्ड के खर्च को ईएमआई में तब्दील करना चाहते हैं, तो जान लें जरूरी बातें
- ईएमआई में आम तौर पर बताए गए ब्याज से ज्यादा भुगतान करना होगा
- यहां तक कि नो कॉस्ट ईएमआई भी बिना लागत नहीं होती

बिजनेस डेस्क

यह बात तो आम तौर पर सभी लोग जानते हैं कि क्रेडिट कार्ड की बकाया रकम को ड्यू डेट यानी देय तारीख तक पूरी तरह नहीं चुकाने पर काफी भारी-भरकम ब्याज देना पड़ सकता है। यह ब्याज कई बार सालाना 42 फीसदी तक भी हो सकता है। इसके अलावा कई बार लेट पेमेंट पेनाल्टी के तौर पर भी मोटी रकम देनी पड़ सकती है, लेकिन अगर आपने क्रेडिट कार्ड से कोई बड़ी खरीदारी की है और ड्यू डेट तक पूरी रकम चुकाना मुश्किल हो रहा है, तो एक उपाय पूरे पेमेंट को ईएमआई में तब्दील करने का होता है। ऐसी ईएमआई पर लगने वाला इंटरेस्ट उस ब्याज के मुकाबले कम होता है, जो पूरी रकम का भुगतान नहीं करने पर देना पड़ता है, लेकिन क्या आपको पता है कि क्रेडिट कार्ड की ईएमआई में बताए गए ब्याज के अलावा 18% एक्स्ट्रा कॉस्ट यानी अतिरिक्त लागत भी जुड़ी होती है।

'नो कॉस्ट ईएमआई' भी बिना लागत नहीं

कई बार आपको क्रेडिट कार्ड कंपनी/रिटेलर की तरफ से पूरी रकम को 'नो कॉस्ट ईएमआई' में तब्दील करने का ऑफर भी मिलता है। आम तौर पर लोग इससे काफी आकर्षित हो जाते हैं। उन्हें लगता है कि 'नो कॉस्ट ईएमआई' का मतलब यह है कि आपको सिर्फ उतने ही पैसे देने हैं, जितने की आपने खरीदारी की है। इसके अलावा कोई एक्स्ट्रा चार्ज नहीं लगेगा, लेकिन आम तौर पर ऐसा होता नहीं है। अक्सर 'नो कॉस्ट ईएमआई' की भी लागत होती है। अगर आपको इस सुविधा का लाभ उठाने का फैसला करते समय इस बारे में जानकारी नहीं होगी, तो क्रेडिट कार्ड की ईएमआई का पेमेंट करते समय आपको झटका लग सकता है।

ऐसा क्यों होता है

आपको पता होना चाहिए कि क्रेडिट कार्ड की बकाया रकम पर लगने वाले ब्याज पर आपको गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (जीएसटी) भी देना पड़ सकता है। दरअसल, वित्तीय संस्थानों की बहुत सारी सर्विसेज और चार्जेज जीएसटी के दायरे में शामिल हैं, जिनका बोझ आखिरकार ग्राहकों पर ही पड़ता है। क्रेडिट कार्ड पर लगने वाला इंटरेस्ट भी इसी कैटेगरी में शामिल है, जिस पर 18 फीसदी की दर से जीएसटी देना होता है। यह जीएसटी क्रेडिट कार्ड ट्रांजैक्शन के इंटरेस्ट पर लगता है। जाहिर है कि अगर आपने क्रेडिट कार्ड से किए खर्च को ईएमआई में तब्दील किया तो बिल आने पर इंटरेस्ट के ऊपर 18 फीसदी जीएसटी भी जुड़ा हुआ मिलेगा। मिसाल के तौर पर अगर आप ईएमआई के लिए 20 फीसदी ब्याज दे रहे हैं, तो उस पर 18 फीसदी जीएसटी जोड़ने के बाद ब्याज की पूरी लागत 23.6 फीसदी हो जाएगी।

क्रेडिट कार्ड इंटरेस्ट पर जीएसटी

हमने क्रेडिट कार्ड के सामान्य ईएमआई पर लगने वाले जीएसटी की बात की, लेकिन आपके मन में ये सवाल उठ रहा होगा कि अगर हमारी ईएमआई 'नो कॉस्ट' है, तो भला उस पर जीएसटी क्यों लगेगा? दरअसल, नो-कॉस्ट ईएमआई के मामले में भी आमतौर पर ऐसा नहीं होता कि क्रेडिट कार्ड कंपनी ब्याज न ले। असल में क्रेडिट कार्ड जारी करने वाला बैंक तो ब्याज लेता है, लेकिन सामान बेचने वाला रिटेलर ईएमआई के पूरे टेन्योर के दौरान वसूले जाने वाले ब्याज के बराबर रकम आपको इंस्टैंट डिस्काउंट के रूप में ऑफर कर देता है। इसलिए वो दावा करता है कि आपके लिए इस ईएमआई की कोई लागत नहीं है, लेकिन ऑफर किए जा रहे डिस्काउंट में आमतौर पर सिर्फ ईएमआई का ब्याज शामिल होता है, उस ब्याज पर सरकार की तरफ से वसूला जाने वाला जीएसटी नहीं। मिसाल के तौर पर अगर क्रेडिट कार्ड ईएमआई का ब्याज सालाना 20 फीसदी है, तो आपको उस पर 18 फीसदी जीएसटी देना होगा, जो ईएमआई की कुल रकम के 3.6 फीसदी के बराबर होगा।

यह भी संभव : हो सकता है आपको प्रोसेसिंग फीस या किसी और चार्ज के रूप में कुछ और पैसे भी देने पड़ें। इसलिए अगर आप क्रेडिट कार्ड की खरीदारी को ईएमआई या नो कॉस्ट ईएमआई में तब्दील कराने की सोच रहे हैं, तो पहले इन सभी अतिरिक्त लागतों को जोड़कर उसकी लागत निकालें और तभी कोई फैसला करें।

बल्क/ब्लॉक/इनसाइडर डील क्या है?

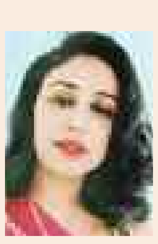

दीपशा तनेजा
फाइनेंसियल एडवाइजर

स्टॉक में निवेश करने वाले जरूर जान लें इन टर्म के बारे में, थोक डील एक ऐसा व्यापार, जहां एक एकल निवेशक लेनदेन के माध्यम से इक्विटी शेयर खरीदता या बेचता है

याद रखें कि थोक सौदे आपके समग्र विश्लेषण में केवल एक कारक हैं, और इस जानकारी को एक व्यापक ट्रेडिंग रणनीति के साथ एकीकृत करना महत्वपूर्ण है। इसके अतिरिक्त, हमेशा जानकारी को सत्यापित करें, बाज़ार नियमों के बारे में सूचित रहें और व्यापारिक निर्णय लेने से पहले वित्तीय पेशेवरों से परामर्श करने पर विचार करें।

शेयर बाजार में बल्क यानी थोक सौदे, व ब्लॉक डील बहुत महत्वपूर्ण है। स्टॉक में निवेश करने वालों को इन टर्म के बारे में पता होना चाहिए। शेयर बाजार में इन दो लोकप्रिय प्रकार के सौदों के अलावा, एक और प्रकार का सौदा होता है जो ऐसे व्यक्तियों द्वारा होता है जो कंपनी के बारे में आंतरिक जानकारी तक पहुंच रखने वाले प्रमोटर या निवेशक समूह होते हैं। इस प्रकार के सौदों को अंदरूनी सौदे यानी इनसाइडर डील के रूप में जाना जाता है। अब इन्हें और विस्तार से समझते हैं। थोक डील क्या है? बल्क यानी थोक डील एक ऐसा व्यापार है जहां एक एकल निवेशक एक लेनदेन के माध्यम से किसी कंपनी के 0.5% से अधिक इक्विटी शेयर खरीदता या बेचता है। इसलिए, उदाहरण के लिए, यदि कंपनी ए के पास कुल बकाया शेयरों की संख्या 1 करोड़ है, तो एक थोक सौदे में एक ही लेनदेन में कम से कम 50,000 शेयर (1 करोड़ का 0.5%) खरीदना या बेचना शामिल होगा। सभी एनएसई थोक सौदे नेशनल स्टॉक एक्सचेंज को रिपोर्ट किए जाते हैं, और सभी बीएसई थोक सौदे वास्तविक समय में बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज को रिपोर्ट किए जाते हैं और दिन के अंत में जनता के लिए उपलब्ध होते हैं। तो, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर किए गए कोई भी थोक सौदे एनएसई थोक सौदे हैं, जबकि यदि बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर थोक सौदे किए जाते हैं, तो वे बीएसई थोक सौदे हैं। ये सौदे संस्थागत निवेशकों, म्यूचुअल फंड और अन्य बड़े बाजार सहभागियों की व्यापारिक गतिविधि में अंतर्दृष्टि प्रदान कर सकते हैं, जो स्टॉक की कीमत और समग्र बाजार धारणा को प्रभावित कर सकते हैं।

ब्लॉक डील क्या है?

एनएसई ब्लॉक डील या बीएसई ब्लॉक डील थोक डील से काफी अलग हैं; ब्लॉक डील के मामले में, दो ज्ञात पक्षों के बीच एक सहमत मूल्य पर न्यूनतम 10 करोड़ रुपये मूल्य के बड़ी संख्या में शेयरों की खरीद या बिक्री होनी चाहिए। हाँ! एक ब्लॉक डील में, खरीदार और विक्रेता दोनों पहले से ही एक-दूसरे को जानते हैं, और सौदे पर ऑफ-मार्केट बातचीत की जाती है, जिसका अर्थ है कि इसे नियमित ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म के माध्यम से निष्पादित नहीं किया जाता है जहां अधिकांश खुदरा निवेशक शेयर खरीदते और बेचते हैं। ब्लॉक डील को विशेष ₹ब्लॉक डील विंडो₹ पर एकल लेनदेन के माध्यम से अलग से निष्पादित किया जाता है, जो आम तौर पर सुबह के सत्र में केवल 35 मिनट के लिए खुला होता है।

बल्क सौदे बनाम ब्लॉक सौदे डील का आकार

ब्लॉक डील

इसमें बड़ी मात्रा में शेयर शामिल होते हैं, जो आमतौर पर स्टॉक एक्सचेंज द्वारा निर्धारित पूर्वनिर्धारित न्यूनतम सीमा से अधिक होते हैं (उदाहरण के लिए, 5,00,000 शेयर या भारत में न्यूनतम मूल्य 5 करोड़ रुपये)। ब्लॉक डील का आकार पर्याप्त होता है, और लेनदेन मूल्य महत्वपूर्ण हो सकता है।

बल्क डील

इसमें पर्याप्त मात्रा में शेयर शामिल होते हैं, लेकिन स्टॉक एक्सचेंज द्वारा परिभाषित कोई विशिष्ट न्यूनतम मात्रा नहीं होती है। किसी कंपनी के इक्विटी शेयरों के न्यूनतम 0.5% वाले लेनदेन को अक्सर थोक सौदे माना जाता है। थोक सौदे का आकार महत्वपूर्ण है लेकिन ब्लॉक सौदे जितना बड़ा नहीं हो सकता है।

निष्पादन

ब्लॉक डील

एक विशेष व्यापार के माध्यम से निष्पादित। स्टॉक की कीमत पर प्रभाव को कम करने के लिए नियमित बाजार घंटों से अलग विंडो या तंत्र। ब्लॉक डील के लिए ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म को बड़े लेनदेन को कुशलतापूर्वक संभालने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

थोक सौदा

सामान्य बाजार घंटों के दौरान स्टॉक एक्सचेंज के नियमित ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म पर निष्पादित। लेन-देन नियमित बाज़ार गतिविधि के साथ एकीकृत होते हैं और स्टॉक की कीमत पर तुलनात्मक रूप से कम प्रभाव पड़ सकता है।

प्रकटीकरण

ब्लॉक डील

मात्रा, कीमत और प्रतिभागियों सहित ब्लॉक डील विवरण का तत्काल और अनिवार्य खुलासा आवश्यक है। यह बाजार में पारदर्शिता और सूचना का समय पर प्रसार सुनिश्चित करता है।

थोक सौदा

ब्लॉक सौदों की तुलना में थोक सौदों के लिए प्रकटीकरण आवश्यकताएँ कम कठोर हैं। हालाँकि एक्सचेंजों को प्रकटीकरण की आवश्यकता होती है, यह प्रक्रिया तत्काल या विस्तृत नहीं हो सकती है।

प्रतिभागी

ब्लॉक डील

इसमें आमतौर पर संस्थागत निवेशक, म्यूचुअल फंड या बड़े वित्तीय संस्थान शामिल होते हैं। संस्थागत प्रतिभागी अक्सर बाज़ार पर अत्यधिक प्रभाव डाले बिना महत्वपूर्ण लेनदेन निष्पादित करने के लिए ब्लॉक डील में संलग्न होते हैं।

थोक सौदा

इसमें खुदरा निवेशकों, उच्च निवल मूल्य वाले व्यक्तियों और छोटे संस्थागत खिलाड़ियों सहित प्रतिभागियों का एक विविध समूह शामिल हो सकता है। कठोर न्यूनतम मात्रा सीमा के अभाव के कारण थोक सौदे प्रतिभागियों की एक विस्तृत श्रृंखला को आकर्षित कर सकते हैं।

ध्यान रखें

हालांकि, व्यापक दृष्टिकोण से, थोक सौदे और ब्लॉक सौदे दोनों समान लगते हैं, क्योंकि इसमें महत्वपूर्ण मात्रा में शेयरों की खरीद या बिक्री शामिल होती है। हालाँकि, उनमें से प्रत्येक की विशिष्ट विशेषताएं हैं, जिन्हें चार मापदंडों के आधार पर समझाया गया है। संक्षेप में, थोक और ब्लॉक सौदों के बीच मुख्य अंतर उनके आकार मानदंड, निष्पादन के तरीके और बाजार दृश्यता पर प्रभाव हैं। दोनों सौदों में महत्वपूर्ण संख्या में शेयर शामिल हैं, लेकिन ब्लॉक सौदे पूर्ण मात्रा/मूल्य पर अधिक केंद्रित होते हैं और बाजार के प्रभाव को कम करने के लिए ऑफ-मार्केट निष्पादित किए जाते हैं। दूसरी ओर, थोक सौदे नियमित ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म पर निष्पादित किए जाते हैं, जो बाजार की कीमतों को प्रभावित कर सकते हैं।

इनसाइडर डील क्या है?

जैसा कि ऊपर चर्चा की गई है, ये सौदे प्रमोटर समूहों या निवेशक समूहों के व्यक्तियों द्वारा किए जाते हैं। लेकिन चूंकि ऐसे व्यक्तियों के पास कंपनी के बारे में आंतरिक जानकारी तक पहुंच होती है, इसलिए अनुचित लाभ या स्टॉक में हेरफेर को रोकने के लिए, बाजार नियामक, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) द्वारा ऐसे सौदों की बारीकी से निगरानी की जाती है। अंदरूनी व्यापार को आम तौर पर तब अवैध माना जाता है जब इसमें कंपनी के व्यक्तियों द्वारा गैर-सार्वजनिक जानकारी के आधार पर शेयरों का व्यापार शामिल होता है। हालाँकि, यह ध्यान रखना आवश्यक है कि हालाँकि अंदरूनी सौदे एक चिंता का विषय हैं, लेकिन अंदरूनी सूत्रों द्वारा किए गए सभी लेनदेन अवैध नहीं हैं। अंदरूनी सूत्रों को कुछ शर्तों के तहत अपनी कंपनी की प्रतिभूतियों का व्यापार करने की अनुमति है, जैसे विशिष्ट रिपोर्टिंग आवश्यकताओं का पालन करना और महत्वपूर्ण गैर-सार्वजनिक जानकारी के आधार पर व्यापार करने से बचना।

ट्रेडिंग अवसरों की पहचान कैसे करें?

थोक डील डेटा तक पहुंचें

एनएसई अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर थोक सौदों की जानकारी प्रदान करता है। आप दैनिक थोक डील डेटा पा सकते हैं जिसमें स्टॉक का नाम, कारोबार की मात्रा, कारोबार की कीमत और खरीदारों और विक्रेताओं के नाम जैसे विवरण शामिल हैं।

थोक सौदों के महत्व को समझें

पहचानें कि थोक सौदों में बड़े लेनदेन शामिल होते हैं, और संस्थागत निवेशक या उच्च-निवल मूल्य वाले व्यक्ति अक्सर इन सौदों में भाग लेते हैं। थोक सौदों के माध्यम से स्वामित्व में एक महत्वपूर्ण बदलाव बाजार की धारणा में बदलाव का संकेत दे सकता है।

रुझान और पैटर्न देखें

रुझानों और पैटर्न की पहचान करने के लिए विशिष्ट शेयरों के ऐतिहासिक थोक सौदे डेटा विश्लेषण करें। आवर्ती खरीदारों या विक्रेताओं, व्यापारिक गतिविधि में वृद्धि, या समय के साथ थोक सौदों की एक श्रृंखला की तलाश करें।

कारोबार की मात्रा पर विचार करें

थोक सौदे में कारोबार किए गए शेयरों की मात्रा पर ध्यान दें। स्टॉक के औसत ट्रेडिंग वॉल्यूम के सापेक्ष बड़ी मात्रा निवेशकों की बढ़ी हुई रुचि या संभावित संस्थागत गतिविधि का संकेत दे सकती है। थोक सौदों से जुड़े मूल्य उतार-चढ़ाव का मूल्यांकन करें। एक थोक सौदे के बाद एक महत्वपूर्ण मूल्य परिवर्तन यह संकेत दे सकता है कि सौदे ने बाजार की धारणा को प्रभावित किया है, और आगे की कीमत में उतार-चढ़ाव की उम्मीद की जा सकती है।

अंदरूनी व्यापार की जांच करें

जबकि थोक सौदे स्वयं अंदरूनी व्यापार का संकेत नहीं दे सकते हैं, असामान्य या अप्रत्याशित व्यापारिक गतिविधि की जांच की जानी चाहिए। किसी भी बाद की घोषणा या समाचार पर नज़र रखें जो थोक सौदे की गतिविधि को समझा सके।

तकनीकी विश्लेषण का प्रयोग करें

संभावित प्रवेश या निकास बिंदुओं की पहचान करने के लिए तकनीकी विश्लेषण उपकरणों और संकेतकों के साथ थोक सौदे की जानकारी को संयोजित करें। चार्ट पैटर्न, समर्थन और प्रतिरोध स्तर और अन्य तकनीकी संकेतों को देखें जो थोक डील डेटा के साथ संरेखित होते हैं।

सेक्टर रुझानों की निगरानी करें

व्यापक बाजार संदर्भ और सेक्टर रुझानों पर विचार करें। संभावित व्यापारिक अवसरों का विश्लेषण करते समय विशिष्ट क्षेत्रों या उद्योगों में थोक सौदे अधिक प्रासंगिक हो सकते हैं। बाज़ार समाचार, कंपनी घोषणाओं और व्यापक आर्थिक कारकों पर अपडेट रहें। बाहरी घटनाएं स्टॉक की कीमतों को प्रभावित कर सकती हैं और थोक सौदा गतिविधि को संदर्भ प्रदान कर सकती हैं।

जोखिम प्रबंधन

अपनी पूंजी की सुरक्षा के लिए जोखिम प्रबंधन रणनीतियों को लागू करें। जबकि थोक सौदे बहुमूल्य जानकारी प्रदान करते हैं, किसी भी व्यापारिक अवसर के समग्र जोखिम और इनाम पर विचार करना आवश्यक है।

खबर संक्षेप

स्वास्थ्य शिविर में 250 से अधिक मरीजों का हुआ उपचार

हरदीबाजार। शासकीय ग्राम्य भारती महाविद्यालय हरदीबाजार द्वारा ग्राम उड़ता में लगाए गए 7 दिवसीय शिविर के तीसरे दिन एसईसीएल दीपका एरिया के अंतर्गत प्रगतिनगर चिकित्सालय के सहयोग से द्वारा ग्रामीण स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन करते हुए मुख्य चिकित्सक डॉ.शिव कुमार चंद्रा ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना एक ऐसा मंच है जिससे जुड़कर कोई भी व्यक्ति, अपने व्यक्तित्व का विकास कर सकता है। यह योजना विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ समाजसेवा भी सिखाती है। ग्रामीण स्वास्थ्य शिविर के दौरान ग्राम उड़ता एवं आस पास के क्षेत्र से आये हुए 250 से अधिक व्यक्तियों, हाईस्कूल तथा बालक छात्रावास के विद्यार्थियों का निःशुल्क ईलाज किया गया एवं उन्हें दवाइयां भी दी गयी। इस दौरान वृद्ध एवं गंभीर मरीजों के शुगर एवं बीपी की भी जांच की गई। इस अवसर विश्वविद्यालय के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. मनोज सिन्हा भी उपस्थित होकर स्वयंसेवकों का उत्साह वर्धन किया। स्वास्थ्य शिविर को सफल बनाने में प्रगतिनगर चिकित्सालय के स्टाफ अशोक यादव, सुनील का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। साथ राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के कार्यक्रम अधिकारी प्रो.अखिलेश पांडेय, डॉ. रानू राठौर, रामेश्वर आदित्य, नवीन शर्मा, विपिन शर्मा, शंकरदास महंत, विनोद पटेल, विक्रम, आकाश, देव, जायसी कामरो, आरती, भावना, श्रद्धा पटेल, कोमल, गजेंद्र आदि का विशेष सहयोग रहा।

कमलिनी एमजीएम स्कूल में मनाया गया वार्षिकोत्सव

कोरबा। कमलिनी एमजीएम नर्सरी स्कूल बालको में गुरुवार को 16वां वार्षिक उत्सव मनाया गया। उक्त प्रसंग हमारे जीवन का आधार है, हमारी सांसों की डोर है। जिसे हमारे-छोटे छोटे नन्हे बाल कलाकारों के द्वारा अपने नटखट अंदाज में प्रदर्शित किया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अभ्यागत श्रीनिकेत श्रीवास्तव महाप्रबंधक एसबीयू प्लॉट 9 वेदांत बाल्को, विशिष्ट अतिथि कैलाश पवार, प्राचार्य डीपीएस बाल्को, हीरामणि शर्मा नगर प्रशासन प्रमुख बालको एवं रेवरेंट फॉदर शिजू रोबर्ट प्राचार्य सेंट थॉमस पब्लिक स्कूल होंगे। कार्यक्रम के अध्यक्षता कमलनी एमजीएम नर्सरी स्कूल के उपाध्यक्ष रेवरेंट फॉदर पाल पी थॉमस करेंगे। उक्ताश्य की जानकारी विद्यालय के प्राचार्य फॉदर जेफिन वर्गीस ने दी।

चोरी की बाइक बेचने की फिराक में घूम रहा युवक गिरफ्तार

अंबिकापुर। नवागढ़ निवासी 45 वर्षीय परषोत्तम दास आ. घासी राम 16 दिसंबर को अपनी बाइक को घर के बाहर खड़ी कर अंदर चला गया था। कुछ देर बाद वापस आया तो उसकी बाइक गायब थी। युवक की शिकायत के बाद एसपी सुनील शर्मा के निर्देश पर एएसपी पुपलेश कुमार, सीएसपी स्मृतिक राजनाला व एसडीओपी ग्रामीण अखिलेश कौशिक के नेतृत्व में पुलिस मामले की जांच कर रही थी। जांच के दौरान पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि विक्रम सारथी नामक युवक चोरी की बाइक बेचने की फिराक में घूम रहा है।

मामला पीडब्ल्यूडी के ई एण्ड डी विभाग का

बढ़ गए कर्मचारियों के आवास नहीं बढ़ पाए विभाग के संसाधन

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

पिछले कुछ वर्षों में प्रशासन के विभागों में सरकारी कर्मचारियों की संख्या में बढ़ोतरी होने के साथ नए आवास भी बने हैं किंतु उनके रखरखाव की जिम्मेदारी उठाने वाले जिला प्रशासन की निर्माण एजेंसी लोक निर्माण विभाग के अधीन ई एण्ड डी विभाग संसाधनों की कमी से जूझ रहा है। सरकारी कर्मचारियों को अपने आवास के सिविल के साथ इलेक्ट्रीक के कार्य भी स्वयं के खर्च पर गैर विभागीय कर्मियों की मदद से कराना पड़ता है।

खास बात

- कर्मचारियों को स्वयं के खर्च पर कराना पड़ता है आवासों का सुधार कार्य

फाइल फोटो

लोक निर्माण विभाग के अधीन ई एण्ड डी सेक्शन एक ऐसा सेक्शन है जिसके ऊपर सभी सरकारी भवनों के बिजली सप्लाई एवं बिजली उपकरण लगाने से लेकर उनके मरम्मत तक का काम इसके जिम्मे ही आता है और इसके लिए बजट भी शासन से आबंटित होता है। सरकारी भवनों में दफ्तरों के अलावा कर्मचारियों के आवासीय परिसर भी आते हैं जहां सभी तरह के इलेक्ट्रीक कार्य ई एण्ड डी विभाग ही करता है। पिछले कुछ वर्षों में नए सरकारी आवास जिस संख्या में बने हैं उस दृष्टि से ई एण्ड डी विभाग में ई एण्ड डी विभाग में संसाधन मुहैय्या नहीं हो सके हैं। जिला मुख्यालय में ही सिंचाई विभाग, लोक निर्माण विभाग, आईटीआई, राजस्व कालोनी एवं न्यू राजस्व कालोनी के सैकड़ों आवास जिला मुख्यालय में ही बने हुए हैं इनके अलावा हाउसिंग बोर्ड ने भी डिंगापुर क्षेत्र में 40 नए आवासों की कालोनी बनाई है। इस दृष्टि से कालोनियों के आवासों की संख्या तेजी से बढ़ी है। जहां कर्मचारी अपने परिवार सहित निवास करते हैं। इन कालोनियों में डिंगापुर क्षेत्र में हाउसिंग बोर्ड द्वारा बनाई गई कालोनी ही नई है। शेष कालोनियां पुरानी हो चुकी हैं। उनके आवास अब मरम्मत मांग रहे हैं और जिसका खर्च कर्मचारी स्वयं उठा रहे हैं। स्थिति यह है कि बिजली उपकरण लगाने जैसे छोटे छोटे कार्य भी संसाधन नहीं होने से ई एण्ड डी विभाग नहीं कर पा रहा है। कर्मचारी संगठन के प्रांताध्यक्ष जेपी खरे ने बताया कि आवास तो वैसे भी कम है किंतु जो बने हैं वह मरम्मत मांग रहे हैं। लोक निर्माण विभाग के भरोसे ही मरम्मत के कार्य निर्भर रहते हैं और भी कर्मचारी स्वयं के खर्च पर कराते हैं।

किराये में रहने को मजबूर कर्मचारी

आवासों की खराब हालत और मरम्मत में लगातार आ रहे खर्च को देखते हुए पुरानी कालोनी में रहने वाले कर्मचारी निजी मकानों में किराये पर रहने को मजबूर हो रहे हैं। ग्राम कोहड़िया में बनाई गई आवासीय कालोनी पूरी तरह जर्जर हो चुकी है। वहां भी ई एण्ड डी विभाग संसाधन की कमी की वजह से बिजली उपकरण नहीं लगा पा रहा है। वहां निवासरत कुछ कर्मचारियों ने बताया कि बिजली जैसे छोटे छोटे कार्य उन्हें स्वयं के खर्च पर कराना पड़ता है। कोहड़िया वार्ड में स्थित यह कालोनी चारों तरफ बेजाकब्जा से ऐसे घिरी है कि मुख्य मार्ग से यह कालोनी नजर ही नहीं आती।

पीएम शहरी आवास योजना से हरेंद्र के पक्के आवास का सपना हुआ पूरा

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

जीवन की मूलभूत आवश्यकताओं रोटी, कपड़ा और मकान को पूरा करना हर व्यक्ति का सपना होता है। लेकिन रोजमर्रा की भाग-दौड़ में इंसान अपनी मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति में ही अपना पूरा वक्त गुजार देता है, ऐसे में अपने स्वयं का मकान बनाने का अरमान आम इंसान के लिए सिर्फ एक सपना ही रह जाता है। आम नागरिकों के इसी सपने को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत साकार किया जा रहा है। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत गरीबों, पिछड़ों और महिला मुखिया परिवारों के लिए प्राथमिकता से आवास उपलब्ध कराया जा रहा है।

प्रधानमंत्री शहरी आवास योजना से कोरबा नगरीय क्षेत्र स्थित पोड़ीबहार निवासी हितग्राही श्रीमती फूलमाला राय पति हरेंद्र राय के स्वयं के पक्के मकान के सपना पूरा हुआ है। प्रधानमंत्री आवास मिलने से हितग्राही के परिवार का जीवन सरल हो गया है। उनका परिवार अब पक्के आवास मिलने से खुशहाल जिंदगी व्यतीत कर रहा है। हितग्राही फूलमाला के पति हरेंद्र राय ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से पिछड़े वर्ग के व्यक्तियों के लिए आवास निर्माण हेतु सहायता उपलब्ध कराना किसी वरदान से कम नहीं है। आवास निर्माण के संबंध में जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि बहुत दिनों से वे अपना स्वयं का मकान बनाने की सोच रहे थे, लेकिन आर्थिक परेशानियों की वजह से मकान निर्माण का कार्य प्रारंभ नहीं कर पा रहे थे। पहले बांस-लकड़ी के सहारे बने शीट, खपरैल वाले कच्चे मकान में अपने परिवार के साथ गुजर-बसर करते थे। कच्चे मकान में बरसात के दिनों में बहुत परेशानी होती थी, छप्पर से टपकता पानी, दीवार में सीलन, रात जाग कर काटने पर मजबूर कर देती थी। साथ ही जहरीले सांप, बिच्छू व अन्य विषैले कीटों का डर भी सदैव बना रहता था।

भाजपाइयों ने जलाया राहुल का पुतला

पुतला दहन करते भाजपा कार्यकर्ता।

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटघोरा

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की मिमिक्री करने के विरोध में भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा कटघोरा में पुतला दहन किया गया। भाजपा किसान मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष बीएस कंवर के नेतृत्व में गुरुवार को शहीद वीर नारायण चौराहे पर इण्डिया गठबंधन के विरोध में जमकर नारेबाजी की और राहुल गांधी और टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी का पुतला फूंका गया। टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी की ओर से उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की मिमिक्री पर देश भर में बवाल जारी है। किसान मोर्चा जिला उपाध्यक्ष बी एस कंवर ने कहा कि उपराष्ट्रपति का इस तरीके से मजाक बनाना, अमर्यादित है एवं संविधान के खिलाफ है। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष पवन गर्ग ने कहा कि भारत देश के उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ का शर्मनाक तरीके से विपक्ष के नेताओं द्वारा मिमिक्री करना और उनका मजाक उड़ाना साथ ही राहुल गांधी द्वारा उसका वीडियो बनाना और हंसी ठिठोली करना भारतीय लोकतांत्रिक परंपराओं को शर्मसार करता है। यह किसी व्यक्ति विशेष या जाति का नहीं बल्कि भारत के उपराष्ट्रपति का अपमान है। देश के अन्नदाता किसानों का अपमान है। भारतीय जनता पार्टी के कटघोरा मण्डल अध्यक्ष धन्नू दुबे ने कहा कि राहुल गांधी ने जो अभद्र टिप्पणी के साथ-साथ अभद्र वीडियो प्रसारित की है। उसके लिए यह निंदा का विषय है कि कांग्रेस पार्टी का युवराज भी है और एक जिम्मेदार पद पर भी है, उसे शर्म आनी चाहिए। जिस तरह से बचकानी हरकत जो राहुल गांधी करते हैं, उन्हें शर्म आनी चाहिए। इस दौरान भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष पवन गर्ग, भाजपा किसान मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष बी एस कंवर, कटघोरा मण्डल अध्यक्ष धन्नू दुबे, जिला महामंत्री किसान मोर्चा डॉ.पवन सिंह, भाजपा किसान मोर्चा मण्डल अध्यक्ष अशोक तिवारी, विशेष आमंत्रित सदस्य लीलारपुरी गोस्वामी, किसान मोर्चा महामंत्री पवन जायसवाल, जिला मंत्री डाकेश्वर शुक्ला, मनोज दुबे एवं संतोष जायसवाल उपस्थित रहे।

कराते एवं ताईक्वांडो कलर बेल्ट एग्जाम का आयोजन, प्रतिभागियों को दिया गया प्रमाण पत्र

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

ज़िला कराते एवं ताइक्वांडो संघ द्वारा बच्चों का कलरबेल्ट परीक्षा लेवल अप मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स अकादमी एंड फिटनेस स्टूडियो सिटी सेंटर मॉल में आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथी श्यामसुन्दर सोनी सभापति नगर पालिक निगम कोरबा एवं रिशु अग्रवाल संरक्षक, विशिष्ट अतिथि रामपुरी गोस्वामी महासचिव (छत्तीसगढ़ राज्य ताईक्वांडो संघ बिलासपुर), सुरेश क्रिस्टोफ़र सचिव कोरबा ज़िला ओलंपिक संघ, दिलसाद अली, विनय सेठ, मधुर साहू, जितेंद्र पाण्डे एवं पीएन मिश्रा द्वारा 80 से अधिक बच्चों को कराते एवं ताईक्वांडो का कलर बेल्ट वितरण किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अविनाश बंजारे द्वारा की गई। ब्राउन बेल्ट प्राप्त करने वाले बच्चो में गुंजन देवांगन, जैस्मिन राज कुर्रे, मयंक कश्यप, जिया सिंह, रेड बेल्ट में नव्या सचदेव, जॉनसन एक्का, आराध्य सोनी अगस्त्य शर्मा, जशमान मिश्रा, आर्य सेठी, आयंश अग्रवाल, अतुल्या बिलास डॉइज़ाद, ब्लू बेल्ट श्वेता मिश्रा, आदित्य बतरा, शौर्य साहू, शार्थक अग्रवाल, सीनियर ग्रीन अक्षत पांडेय, शमिक्षा मिश्रा, हर्षराज कुर्रे, हृदय मण्डल, दक्षा श्रीवास, अद्वितीय गुप्ता, अनोखी खरे, अवनी शर्मा, नाविक शर्मा आरूष अग्रवाल, इश्कृत कौर छाबरा, आर्यवीर अग्रवाल, रोहन श्रीवास, रियांश बनर्जी, पार्थ लखेरा, प्रणव निर्मलकार, विधि विजय वर्गीय, दीपांश यादव, अदिति पांडेय, ग्रीन बेल्ट आस्विता पांडेय, तनीषी मजूमदार, नेवान आर पिल्लै, प्रेरणा चौहान, माही राव, विवेक राव, साईं प्रकाश जाना, आर्यश अग्रवाल अदम्य अग्रवाल, अभिनीत मसीह, ई दर्शित नायडू, येलो बेल्ट में एकता पटेल उज्जवल पंडित, आव्य पांडेय, आरव पांडेय, हवीश कृष्ण, आलोक गुप्ता, वैभवी साहू, अलिशा सौर्य बरनवाल, अर्णव यादव, जसमीत कौर, हरकृत कौर, छाबड़ा वियोम वासन, रियांश यादव, मिया अलापट, सृजन शर्मा, आधृत नारायण पांडेय, काव्यंश तिवारी, अर्चित अग्रवाल, रुचि राहांगड़ाले, कुहू रहगंडले, अद्वितीय यादव, अथर्व समासी, आयुषि पंडा, नेज़नीन खान, ऑरेंज बेल्ट में जुपिटर मेटेई, मिशिता साहू, केजल साहू दीक्षा सिन्हा, लोमेश प्रसाद सिन्हा, वेद प्रकाश पैकरा, वीरभद्र प्रकाश पैकरा को सभापति द्वारा बेल्ट व सर्टिफिकेट प्रदान किया गया। उज्ज्वल भविष्य की कामना कर देश, राज्य एवं ज़िले का नाम रोशन करने का आशीर्वाद दिया।

प्रमाण पत्र देते अतिथि।

न्यायालय तहसीलदार कटघोरा जिला कोरबा (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र. बी 121/2023
ग्राम कटघोरा प.ह.नं. 10
तहसील कटघोरा

एतद द्वारा आम जनता मौजा कटघोरा प.ह.न. 10 रा.नि.मं. व तहसील कटघोरा जिला कोरबा (छ.ग.) को सूचित किया जाता है कि आवेदक आलोक कुमार जायसवाल पिता सीताराम जायसवाल जाति कलार साकिन कटघोरा तहसील कटघोरा जिला कोरबा छ.ग. द्वारा अपने पुत्र रेयांश जायसवाल का जन्म दिनांक 12.12.2016 को स्थान कटघोरा में होने का लेख करते हुए स्थानीय रजिस्टार जन्म प्रमाण पत्र को संबंधित पंजी में दर्ज करने हेतु नगर पालिका कटघोरा को निर्देशित करने बाबत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।

इस संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई दावा आपत्ति हो तो वह दिनांक 02.01.2024 को न्यायालयीन समय में उपस्थित होकर अपना दावा आपत्ति जो कुछ भी हो पेश कर सकते हैं। नियत अवधि के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 14.12.2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर लगाकर जारी किया गया।
स्थानः कटघोरा
दिनांक : 14.12.2023

तहसीलदार
कटघोरा
जिला कोरबा (छ.ग.)

पृष्ठ 1 का शेष

हाईवे पर गजराज..

के अधिकारी पुनः वापस लौटे। **43 हाथी पसान रेंज में डाले हैं डेरा** : कटघोरा वनमंडल अधिकारी कुमार निशांत ने जानकारी देते हुए बताया कि मौजूदा स्थिति में कटघोरा वनमंडल में 50 से अधिक हाथियों का झुंड लगातार क्षेत्र में विचरण कर रहा है। जिसमें 43 हाथियों का झुंड पसान वन परिक्षेत्र में विचरण कर रहे हैं जबकि शेष हाथी केंदई वन परिक्षेत्र में डेरा डाले हुए हैं। लगातार हाथियों की निगरानी के लिए वन विभाग की टीम काम कर रही है ताकि जनधन की हानि ना हो। हालांकि खेत में घुसकर दंतैल खड़ी फसलों को जमकर चौपट कर रहे हैं लेकिन वन विभाग की टीम ग्रामीणों का नुकसान ना हो इसके लिए मुआवजे की राशि लगातार तैयार कर रही है और ग्रामीणों को जल्द ही प्रदान करेगी।

घर-घर पहुंचा रहे सिलेंडर, पर केवाईसी के लिए ग्राहकों को बुला रहे एजेंसी

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

गैस सब्सिडी की सुविधा को लेकर आम लोगों मे फैले भ्रम की स्थिति के कारण गैस एजेंसियों में केवायसी कराने वालों की लगातार भीड़ बढ़ रही है लेकिन इस भीड़ में परेशान हो रहे गैस उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए जिम्मेदार विभाग ने अब तक ना तो संज्ञान लिया और ना ही कोई रास्ता निकाला। स्थिति यह है कि एजेंसियों के दफ्तर में सुबह 8 बजे से ही कड़ाके की ठण्ड के बीच उपभोक्ता लाइन लगा लेते हैं।

खास बात

- ग्राहकों की सुविधा के लिए नहीं निकाला गया कोई रास्ता
- घर पहुंचकर केवाईसी करने का भी है प्रावधान, पर खाद्य विभाग गंभीर नहीं

गैस उपभोक्ताओं को 500 रुपए की सब्सिडी देने केवाईसी कराने लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी है। उज्जवला गैस कनेक्शनधारियों के साथ साथ सामान्य गैस कनेक्शनधारी भी केवाईसी कराने पहुंच रहे हैं। शहर के सबसे बड़े गैस एजेंसी कोरबा इण्डेन गैस एजेंसी में लोग बड़ी संख्या में केवाईसी कराने पहुंचते हैं। कुछ सुबह से ही कतार में खड़े रहते हैं तो वहीं कुछ उपभोक्ता भीड़ को देखकर वापस लौट जाते हैं लेकिन प्रशासन के खाद्य विभाग ने केवाईसी के संबंध में ना तो कोई निर्देश जारी किए और ना ही भीड़ से निपटारे के लिए कोई रास्ता निकाला। प्रशासन ने भी केवाईसी के संबंध में ऑयल कंपनियों के द्वारा क्या निर्देश अधिकृत रुप से जारी किया गया है इसकी जानकारी भी आम लोगों को नहीं दे रहा है। यही कारण है कि आम लोगों में केवाईसी को लेकर भ्रम की स्थिति फैली हुई है। केवाईसी कराने के लिए शहर के अलावा एनटीपीसी जमनीपाली, बालको सहित ग्रामीण क्षेत्रों से लोग शहर पहुंचकर केवाईसी कराने मजबूर हैं। खाद्य विभाग आमतौर पर गैस एजेंसियों को निर्देश जारी करता है पर अब तक कोई नया निर्देश केवाईसी किसे कराना है कब तक केवाईसी होगा ऐसी कोई भी जानकारी आम लोगों को नही है।

शहर से उपनगरीय क्षेत्रों तक हैं उपभोक्ता

प्रावधान यह भी है कि गैस कनेक्शनधारियों द्वारा जब सिलेंडर की बुकिंग ऑनलाइन कराई जाती है और सिलेंडर घर पहुंचाकर दिया जाता है तो दस्तावेजों की केवाईसी भी वितरक एजेंसी को कस्टमर के घर जाकर करने का प्रावधान है किंतु इसकी जानकारी उपभोक्ताओं को एजेंसी संचालक भी नहीं दे रहे हैं और ना ही प्रशासन की ओर से कोई आदेश जारी हुआ है। केवाईसी कराने के लिए एजेंसियों में भीड़ उमड़ने की स्थिति पहली बार निर्मित हुई है। विभाग कहता है कि फर्जी गैस कनेक्शन रोकने के लिए गैस कनेक्शन की केवाईसी कराई जा रही है।

अनवरत चलने वाली प्रक्रिया

गैस कनेक्शन उपभोक्ताओं के कनेक्शन की केवाईसी कराने की प्रक्रिया अनवरत रुप से चलने वाली है। उपभोक्ता जब भी गैस सिलेंडर लेने जाए अपनी केवाईसी उस समय ही करा सकता है। केवाईसी के लिए कोई समय निर्धारित नहीं किया गया है।

-जे के सिंह
जिला खाद्य अधिकारी

MARUTI CLEAN COAL AND POWER LTD.
NOTICE INVITING TENDER

Ref. No: MCCPL/Loading/2023-24/007

Description of work:

We, Maruti Clean Coal and Power Ltd. Having 1x300MW Thermal Power Plant, at village –Bandhakhar, Tehsil – Pali, Distt. Korba (CG), Inviting bids from interested experienced Contractors/Transporters for Loading of Coal from different mines of SECL, MCL, etc. and Ash at our 1x300MW Thermal Power Plant at village-Bandhakhar.

Interested Bidder may collect Detailed Tender Document from below mentioned address & submit their bid in sealed envelope on or before closing date & time.

Tender available : From23/12/2023 at 11.00 Hrs. to 26/12/2023 at 17.00 hrs.

Last date of Bid submission : 28/12/2023 at 17.00 Hrs.

Note : Work may likely to start from 1st January 2024

Address: MARUTI CLEAN COAL AND POWER LIMITED
Village-Bandhakhar, PO- Nunera, Tehsil-Pali, District-Korba-495449 , Chhattisgarh

Contact Person : Mr.Rajesh Kr. Sonkar- 79789 32970 / Mr. Manish Chaturvedi - 7773040008

-S/D-
Maruti Clean Coal and Power Limited

MARUTI CLEAN COAL AND POWER LTD.
NOTICE INVITING TENDER

Ref. No: MCCPL/COAL TRANSPORTATION/2023-24/006

Description of work:

We, Maruti Clean Coal and Power Ltd. Having 1x300MW Thermal Power Plant, at village Bandhakhar, Tehsil – Pali, Distt. Korba (CG), Inviting bids from interested experienced Contractors/Transporters for Transportation of Coal from different mines of SECL, MCL, etc. to our1x300MW Thermal Power Plant at village – Bandhakhar through Road Mode

Interested Bidder may collect Detailed Tender Document from below mentioned address & submit their bid in sealed envelope on or before closing date & time.

Tender available : From23/12/2023 at 11.00 Hrs. to 26/12/2023 at 17.00 hrs.

Last date of Bid submission : 28/12/2023 at 17.00 Hrs.

Note : Transportation may likely to start from 1st January 2024

Address: MARUTI CLEAN COAL AND POWER LIMITED
Village-Bandhakhar, PO- Nunera, Tehsil-Pali, District-Korba-495449 , Chhattisgarh

Contact Person : Mr.Rajesh Kr. Sonkar- 7978932970 / Mr. Manish Chaturvedi - 7773040008

-S/D-
Maruti Clean Coal and Power Limited

Health Town

मिरैकल्स होम्योपैथी हॉस्पिटल
छत्तीसगढ़ में प्रथम होम्योपैथी मेडिसीन पर एम.डी.
डॉ. ए.के. चौरसिया (एम.डी)
पोस्ट द्वारा दवाईयां उपलब्ध
जर्मन दवाईयों द्वारा उपचार
छत्तीसगढ़ में होम्योपैथी की वरिष्ठ चिकित्सा, प्रोफेसर महाराना प्रताप कॉलेज, रायपुर (छ.ग.)
रायपुर : कटोरा तालाब स्वपनिल नर्सिंग होम के पास मो. 9406004581
बिलासपुर : सीएलसी प्लाजा, मंगला चौक, रतन लस्सी के पास, मो. 7869048192
अग्रिम रजिस्ट्रेशन

जड़ से इलाज
ठण्ड पर जोड़ो पर दर्द, गठियावात, नशों में दर्द का संपूर्ण निदान।
L4-L5 नशों में दबाव, शून्यपन, सयाटिका, दोनों पाव पर दर्द, अकड़न।
घुटना - घुटने पर सूजन, दर्द, ज्यादा चलने पर बैठकर उठने पर दर्द, ऐड़ी, कंधा, कोहनी, गर्दन दर्द का संपूर्ण निदान।

खबर संक्षेप

संत गाडगे की मनाई गई पुण्यतिथि

कोरबा। झेरिया बरेठ धोबी समाज बालको द्वारा संत गाडगे बाबा की 67पुण्यतिथि मनाई गईं। गिरधारी बरेठ ने कहा कि समाज सुधारक, स्वच्छता अभियान के जननायक संत गाडगे महाराज की बताएं मार्ग पर चलना चाहिए। डेबुजी झिंगराजि जानोरकर साधारणतः संत गाडगे महाराज और गाडगे बाबा के नाम से जाने जाते थे। वे एक समाज सुधारक और घुमक्कड भिक्षुक थे, जो महाराष्ट्र में सामाजिक विकास करने हेतु साप्ताहिक उत्सव का आयोजन करते थे। उन्होंने उस समय भारतीय ग्रामीण भागो का काफी सुधार किया और आज भी उनके कार्यों से कई राजनैतिक दल और सामाजिक संस्थान प्रेरणा ले रहे है। कार्यक्रम में उपस्थित टीआर बरेठ, गिरधारी बरेठ, मदन मोहन, बाल मुकुंद बरेठ सहित अन्य उपस्थित रहे।

चाकाबूड़ा में निकाली गई विकसित भारत संकल्प यात्रा

ढेलवाडीह। विकसित भारत संकल्प यात्रा का आयोजन जनपद पंचायत कटघोरा के ग्राम चाकाबुड़ा में आयोजित किया गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा योजनाओं का क्रियान्वयन किया जा चुका है व जो योजनाएं प्रारम्भ किया गया हैं। उन सभी को वेनिटी वेन में एलईडी स्क्रीन के माध्यम से गांव-गांव में घूम घूमकर ग्रामीणों को योजनाओं के बारे में बताया जा रहा है। सर्वप्रथम सरपंच पवन सिंह कमरों के द्वारा विधिवत पूजन अर्चन किया गया। ततपश्चात रिबन काटते हुए वेनिटी वेन का शुभारंभ किया। इस अवसर पर राजेश यादव प्रदेश कार्यक्रम योजना प्रभारी छत्तीसगढ़, वेदराम सिदार, रामदयाल श्रीवास, भुवनपाल, धरमपाल, राजकुमार पांच, शंकर पटेल, सचिव रजनी पटेल, रामकुमारी साहू, डॉ.जी पी कदम, डॉ राजवाड़े, रश्मि कुर्रे सहित सभी अधिकारी कर्मचारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस अवसर पर स्वास्थ विभाग, कृषि विभाग, आंगनबाड़ी, राजस्व विभाग, आयुर्वेद विभाग, जनपद पंचायत, शिक्षा विभाग के अधिकारियों के द्वारा कार्यक्रम स्थल पर केम्प लगाया गया था, जिसमें गरीब वर्ग के लोगों के समस्याओं का तत्काल समाधान किया जा रहा था। मंच संचालन शिक्षक भवानी प्रसाद गोपाल कर रहे थे।

जेसीआई लीजेंड के अध्यक्ष बने बर्नवाल

कोरबा। जेसीआई कोरबा सेन्ट्रल का वार्षिक चुनाव होटल जश्न में आयोजित किया गया। जिसमें सर्वसहमति से जेसीआई राजन बर्नवाल को अध्यक्ष निर्वाचित किया गया। जिसमें मुख्य रूप से इंजिनियर राज अग्रवाल चुनाव आधिकारिक रूप में बजरंग अग्रवाल हरीश लालवानी एवं घनश्याम अग्रवाल के विशेष भूमिका रही तथा विशेष सहयोगी के रूप में प्रकाश जैन, राजेश अग्रवाल केसीसी तथा योगेश जैन, दिव्यानन्द अग्रवाल तथा सज्जन अग्रवाल, जगदीश सोनी इत्यादि बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित थे। राजन बर्नवाल ने सभी सदस्यों को आश्वस्त किया कि आगामी सत्र में जेसीआई के भवन के निर्माण को अवश्य पूरा कर लिया जाएगा।

विकसित भारत संकल्प यात्रा शिविर का हुआ आयोजन

हरदीबाजार। विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम में मोदी की गारंटी की चलित वाहन गुरुवार को ग्राम पंचायत हरदी बाजार पहुंचा। बस स्टैंड परिसर में ग्राम पंचायत के द्वारा स्टाल लगाकर मोदी की गारंटी योजनाओं का लाभ हितग्राहियों को मिल सके। वहीं स्टाल के माध्यम से विभागीय समस्या व सुझाव भी दिए गए। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं के द्वारा मोदी की गारंटी चलित वाहन का स्वागत करते हुए कर्मा नृत्य के साथ पंडाल तक पहुंचा। अतिथि में सरपंच श्रीमती अनुसुइया कंवर, उपसरपंच गणेश राम जगत, जनपद सदस्य अनिल टंडन के द्वारा सर्वप्रथम मां सरस्वती एवं छत्तीसगढ़ महतारी की पूजा अर्चना कर संकल्प यात्रा में पहुंचे। कार्यक्रम में एडीओ सीएस कंवर, त्रिलोचन प्रधान, पूर्व सरपंच युवराज सिंह कंवर, सचिव बिसाहू राज, तरुण डिक्सेना, पूनम अहीर, जेपी तिवारी, राधा जायसवाल, डां.युधेश सांडे सहित बड़ी संख्या में भाजपा नेता व कार्यकर्ता उपस्थित थे।

वादों के आदेश को लेकर किसान मंडियों में नहीं ला रहे थे फसल

38 दिन में 6 लाख क्विंटल की खरीदी, 28 दिन में खरीदना होगा 19 लाख क्विंटल धान

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

जिले के विपणन विभाग को इस वर्ष 25 लाख क्विंटल धान खरीदने का लक्ष्य मिला है। 1 नवंबर से शुरु हुई धान खरीदी में 20 दिसंबर तक 50 दिन की अवधि में 38 दिन ही धान खरीदा गया और इस अवधि में 6 लाख 38 हजार क्विंटल धान की खरीदी हुई और अब 28 दिन ही खरीदी के शेष बचे हैं। इस अल्प अवधि में 19 लाख क्विंटल धान खरीदना होगा। विभाग के सामने ये एक बड़ी चुनौती के रुप में सामने आया है।

खास बात

- जिले के 65 उपार्जन केन्द्रों में आ रहे धान के आंकड़े बता रहे कि खरीदी जोर नहीं पकड़ी

चुनावी वर्ष होने के कारण राजनीतिक पार्टियों के घोषणा पत्र में किए गए वादे का असर भले ही सरकार के किसी कार्यों पर ना पड़ा हो लेकिन धान खरीदी कार्यक्रम में राजनीतिक पार्टियों की घोषणाओं का जबरदस्त असर देखा गया है। 1 नवंबर से प्रतिवर्ष की तरह धान की खरीदी शुरू हुई थी किंतु फसलों की कटाई नहीं होने से उपार्जन केंद्रों में धान की आवक ना के बराबर थी। स्थिति ऐसी थी कि खरीदी के 15 दिन बाद तक कई केंद्रों में बोहनी तक नहीं हुई थी। दीवाली के बाद से मंडियों में धान की आवक शुरू हुई किंतु किसानों की नजर चुनावी परिणाम पर टिकी हुई थी। 30 नवंबर तक विभागीय आंकड़ों के अनुसार डेढ़ लाख क्विंटल धान खरीदा गया था। 3 दिसंबर को जैसे ही चुनाव परिणाम की घोषणा हुई और सरकार बदली वैसे ही धान की आवक तेजी से बढ़ी। 20 दिसंबर तक विपणन विभाग के अनुसार 6 लाख 38 हजार क्विंटल धान खरीदा गया है। 31 जनवरी तक धान खरीदा जाना है। शनिवार और रविवार के दिन खरीदी बंद रहने के कारण महज 28 दिन और धान खरीदा जाएगा और इस दृष्टि से विभाग को लक्ष्य प्राप्ति के लिए 19 लाख क्विंटल धान खरीदना होगा जो एक बड़ी चुनौती के रुप में सामने आया है। हालांकि अधिकारियों की मानें तो खरीदी की रफ्तार दिसंबर के प्रथम सप्ताह बाद भी जोर पकड़ती है वैसे लक्ष्य की प्राप्ति 28 दिन में हो जाएगी।

फाइल फोटो

12 सप्ताह की अवधि में हर सप्ताह दो दिन अवकाश

1 नवंबर से 31 जनवरी तक धान की खरीदी की जाती है और प्रत्येक सप्ताह शनिवार व रविवार खरीदी बंद रहती है। इस हिसाब से 8 दिन खरीदी बंद रहती है। 3 महीने में 24 दिन ऐसे होते हैं जिनमें खरीदी ही नहीं होती है। शेष बचे दिनों में खरीदी की जाती है और उसमें भी मौसम की गड़बड़ी हुई तो 2-4 दिन खरीदी पर प्रभाव पड़ता है। ऐसे में महज 28 दिन ही शेष रहेंगे। 31 जनवरी तक खरीदी के लिए और इतनी ही अवधि में विभाग को एक बड़ा लक्ष्य प्राप्त करना होगा।

65 केंद्रों में हो रही खरीदी

65 केंद्रों में धान की खरीदी हो रही है। इन केंद्रों में जो खरीदी के आंकड़े सामने आए हैं उसके अनुसार आने वाले दिनों में सभी केंद्रों में खरीदी का दबाव बढ़ेगा। औसतन प्रत्येक केंद्र को 25 से 30 हजार क्विंटल धान की खरीदी प्रतिदिन करना होगा। हालांकि करतला ब्लाक में ही सबसे अधिक धान की आवक होती है। वैसे स्थिति में इस विकासखंड के अंतर्गत आने वाले खरीदी केंद्रों में सर्वाधिक सबसे ज्यादा धान खरीदी का दबाव बढ़ेगा। उठाव नहीं होने की स्थिति में कई केंद्रों में धान की खरीदी बंद होने की स्थिति भी हो जाती है। कुछ खरीदी केंद्रों के प्रबंधकों का मानना है कि विपणन विभाग धान उठाव के लिए राइस मिलर्स को डीओ तो काट देता है किंतु मिलर्स उठाव में देरी करते हैं। वर्तमान में जो स्थिति खरीदी की है आने वाले समय में दबाव बढ़ना ही है। उसकी तुलना में उठाव तेजी से नहीं हुआ तो जनवरी महीने की खरीदी में असर पड़ सकता है।

लक्ष्य होगा प्राप्त

20 दिसंबर तक 6 लाख 38 हजार रुपए धान की खरीदी हो गई है। वहीं 3 लाख 30 हजार क्विंटल का उठाव हो चुका है। वैसे नवंबर माह में खरीदी की रफ्तार धीमी ही रहती है। प्रतिवर्ष यही स्थिति निर्मित होती है। 31 जनवरी तक जो लक्ष्य विभाग को खरीदी का मिला है उसे प्राप्त कर लिया गया है।

-जान्हवी जिल्हारे, जिला विपणन अधिकारी

विद्युत प्रीमियर क्रिकेट लीग का खिताब कोरबा पूर्व के हवाले

विजयी खिलाड़ियों द्वारा कप सौंपते अधिकारी को।

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

विद्युत उत्पादन कंपनी मड़वा के तत्वाधान में ड्यूज बाल विद्युत प्रीमियर क्रिकेट लीग का आयोजन किया गया। जिसमें मड़वा, कोरबा पूर्व, कोरबा पश्चिम एवम बिलासपुर रीजन की टीम ने प्रतिनिधित्व किया। लीग मैच के आंकड़ों के अनुसार फाइनल में कोरबा पूर्व व कोरबा पश्चिम की टीम पहुंचने में कामयाब रही। 19 दिसंबर को मड़वा कॉलोनी स्थित क्रिकेट मैदान में दोनों ही टीमों के मध्य खेला गया, फाइनल मैच काफी रोमांचक रहा। कोरबा पश्चिम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 131 रन बनाए और कोरबा पूर्व को 132 रन का लक्ष्य दिया, जिसे कोरबा पूर्व की टीम ने 2 विकेट व 2 गेंद शेष रहते ही बना दिया और रोमांचक जीत हासिल की। इस प्रतियोगिता को संपन्न कराने में अटल बिहारी वाजपेई ताप विद्युत गृह मड़वा के कप्तान दिनेश मेश्राम एवं उनके सभी सहयोगी खिलाड़ियों का सराहनीय योगदान रहा। कोरबा पूर्व के कप्तान सरोज राठौर की कप्तानी में सभी खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया और खिताब अपने नाम किया। इस जीत पर डीएसपीएम कोरबा पूर्व के मुख्य अभियंता हेमंत सचदेवा, क्रीड़ा सचिव पीआर वारते, उपाध्यक्ष गोवर्धन सिदार ने कोरबा पूर्व के सभी खिलाड़ियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इसी प्रकार खेल में कोरबा पूर्व का नाम रोशन करते रहने के लिए प्रोत्साहित किया। कोरबा पूर्व क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों में कप्तान सरोज राठौर के साथ शैलेश चौधरी, छगन ठाकुर सुदेश्वर देवांगन, विजित सूरी, गजेंद्र पवार, नाइजल रॉड्रिक्स, मनोज यादव, शैलेंद्र पैकरा, संतोष सिंह, प्रवेश पाठक, संदीप बघेल, त्रिदेव ठाकुर, दिदाकश कुजूर, पवन दास, सौरभ जंजीर सम्मिलित हुए। टीम का उत्साहवर्धन करने कोरबा पूर्व के सीनियर खिलाड़ियों में सुरेश क्रिस्टोफर, विजय पटनायक, गजानंद नेताम, सतीश वर्मा सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

खास बात

- मड़वा में आयोजित किया गया क्रिकेट प्रतियोगिता

भुलसीडीह में मेडिकल कॉलेज सह अस्पताल भवन का निर्माण शुरू

मौके पर चर्चा करते चिकित्सक।

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

स्व. बिसाहू दास महंत स्मृति मेडिकल कॉलेज सह अस्पताल के नए भवन के लिए स्वीकृत भुलसीडीह गांव से लगे जमीन में निर्माण कार्य का शुभारंभ हो गया है। 325 करोड़ की लागत से कॉलेज व अस्पताल भवन के साथ ही स्टाफ कालोनी, हॉस्टल समेत अन्य निर्माण कार्य पूर्ण कराया जाएगा। बुधवार को निर्माण स्थल पर मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ.अविनाश मेश्राम, मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ.गोपाल कंवर, असिस्टेंट मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. रविकांत जाटवर, डॉ. अमोल समेत सीजीएमएससी के अधिकारी पहुंचे। जहां उन्होंने निर्माण स्थल का निरीक्षण करने के साथ ही मेडिकल कॉलेज सह अस्पताल के लेआऊट को देखा। दूसरी ओर शुरूआत में जेसीबी से साफ-सफाई कराते हुए कर्मचारियों के रहने के लिए कैंप का निर्माण शुरू किया गया है। कोरबा में मेडिकल कॉलेज की स्वीकृति करीब 3 साल पहले मिल गई थी। लेकिन स्वीकृत जमीन का पेंच फंसने की वजह से टेंडर में देरी हुई।

खास बात

- 325 करोड़ की लागत से होगा निर्माण कार्य

बीकन स्कूल में वार्षिकोत्सव कार्यक्रम संपन्न

कोरबा। अंग्रेजी माध्यम स्कूल बीकन स्कूल के एसईसीएल कोरबा शाखा में गए दिन वार्षिकोत्सव पीबी सोना,चेयरमैन, ग्रुप ऑफ़ बीकन स्कूल्स के मुख्य आतिथ्य मे हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। इसमें सर्वप्रथम शाला के प्राचार्य एमबी गाडलब ने स्कूल का रिपोर्ट प्रस्तुत किया। तत्पश्चात सांस्कृतिक सचिव श्रीमती कल्पना मिश्रा के मार्गदर्शन में बच्चों ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया। जिसका अभिभावकों, आगुन्तकों और बच्चों ने भरपूर आनंद लिया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए शाला के समस्त शिक्षकों और शिक्षिकाएं जीएस पटेल, डीके पाण्डेय, नरोत्तम, शांतनु, सत्य प्रकाश, रुपक, सुश्री चंदना अधिकारी, पी बारिक, शोभा नाडिग, अपराजिता, आंचल, शालिनी, श्रीमती यातिमा नाथन, डी रश्मि, एमजे चौहान, मिट्ठू चटर्जी, हिंडारिया, सलोनी बाग, बीना, संतोषी, अरुना, लखन सहित अन्य शामिल रहे।

कोविड-19 से बचाव के लिए स्वास्थ्य विभाग ने जारी किए निर्देश, रहना होगा सावधान

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

केरल तथा भारत के कुछ राज्यों में कोविड-19 के प्रकरणों में वृद्धि दर्ज हुई है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.एस.एन.केसरी ने कोविड संक्रमण के प्रसार को रोकने हेतु रेस्पिरेटरी हाईजिन और कोविड अनुरूप व्यवहार का पालन किए जाने हेतु जिले के नागरिकों को कोविड 19 के लक्षणों तथा बचाव के संबंध में जानकारी दी है।

खास बात

- सीएमएचओ ने जिलेवासियों से कोविड-19 से सावधान रहने की किया अपील

कोरोना से लोगों की सुरक्षा के दृष्टिकोण से एहतियाती कदम उठाने के लिए शासन से प्राप्त गाईडलाइन के संबंध में आवश्यक निर्देश सभी खण्ड चिकित्सा अधिकारियों को जारी किया गया है। जिससे इस वायरस के प्रसार के जोखिम को कम किया जा सके। उन्होंने खण्ड चिकित्सा अधिकारियों को कोविड-19 के दिशा-निर्देशों के अनुसार पर्याप्त परीक्षण सुनिश्चित करने आर.टी.पी.सी.आर. और एंटीजन परीक्षणों के लिए प्रतिदिन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। साथ ही चिकित्सालय में आने वाले इन्फलुएंजा जैसी बीमारी (आई.एल.आइ) और गंभीर तीव्र श्वसन संक्रमण (एस.ए.आर.आई.) की जांच और निगरानी करने व इसकी रिपोर्टिंग करने के निर्देश दिए गए हैं। जिससे ऐसे मामलों की शुरूआती बढ़ती प्रकृति का पता लगाया जा सके। सीएमएचओ ने कोविड उपयुक्त व्यवहार के पालन हेतु जागरूकता बढ़ाने के महत्व पर जोर दिया तथा लॉजिस्टिक और बुनियादी ढाँचे की तैयारी जिसमें अस्पतालों में पर्याप्त बेड की उपलब्धता तथा आवश्यक दवाओं का स्टॉक सुनिश्चित करने की बात कही। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि कोविड से बचाव के लिए को कोविड अनुरूप व्यवहार का पालन करना आवश्यक है। विशेषकर 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोग, गंभीर बीमारियों से पीड़ित व्यक्ति, गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाएं तथा बच्चों को बाहर जाने पर सावधानी और बचाव हेतु मास्क लगाना चाहिए तथा भीड़-भाड़ वाले स्थान पर जाने से बचना चाहिए, बार-बार हाथ धोना, व्यक्तिगत स्वच्छता जैसे खांसने और छींकने पर अपने नाक और मुंह को टिश्यु पेपर या कपड़े से ढंके, साथ ही सुरक्षित दूरी बनाने तथा उचित आहार लेने पर भी जोर दिया है। कलेक्टर सौरभ कुमार तथा सीएमएचओ डॉ केसरी ने जिलेवासियों से कोरोना से सर्तक रहने की अपील करते हुए बुखार, खांसी, नाक बहने जैसे श्वसन संबंधी लक्षण से ग्रसित व्यक्तियों को यथाशीघ्र अपने नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र जाकर डॉक्टर से परामर्श लेने का आग्रह किया है।

डॉ.एसएन केसरी

101 परिवार के पांव धोकर हिंदू धर्म में लिया जाएगा वापस

पत्रकारों से चर्चा करते धर्म सेना के पदाधिकारी।

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

धर्म सेवा हिंदू संगठन है जो मुख्य रूप से हिंदुत्व के प्रचार-प्रसार के साथ ही धर्मांतरण रोकने का कार्य करता है। इसी कड़ी में कटघोरा के संस्कृतिक भवन में 24 दिसंबर को धर्मांतरण कर चुके परिवारों की घर वापसी कार्यक्रम सह समाज प्रमुख सम्मान समारोह आयोजित किया गया है। कार्यक्रम में हिंदू धर्म से दूसरे धर्म में गए 101 परिवारों की घर वापसी होगी।

उक्त जानकारी प्रेस क्लब में आयोजित पत्रकारवार्ता के दौरान धर्म सेना के बिलासपुर विभाग अध्यक्ष विष्णु पटेल ने दी। उन्होंने बताया कि अखिल भारतीय घर वापसी प्रमुख एवं धर्म सेवा छत्तीसगढ़ के प्रदेश संरक्षक प्रबल प्रताप सिंह जूदेव एवं हिंदू वाहिनी के राष्ट्रीय सह सचिव कौशलेंद्र सिंह की उपस्थिति में आयोजित घर वापसी कार्यक्रम में हिंदू धर्म से दूसरे धर्म में गए लोगों के पैर धोकर पूरे हिंदू रीति-रिवाज के अनुसार उनकी घर वापसी कराई जाएगी। कार्यक्रम के लिए पूरी तैयारी की जा चुकी है। विष्णु पटेल के अनुसार वर्तमान में हिंदू धर्म के लगभग प्रत्येक समाज के लोग धर्मांतरण के जाल में फंसकर धर्मांतरित हो रहे हैं, इसलिए पहली बार कार्यक्रम के दौरान सभी जिले में निवासरत सभी हिंदू समाज के दो-दो प्रमुख लोग भी आमंत्रित किए गए हैं। घर वापसी कार्यक्रम से जुड़कर हिंदू धर्म में परिवारों की वापसी के लिए अहम भूमिका निभाने वाले समाज प्रमुखों को सम्मानित किया जाएगा। जिले में हिंदूवादी 17 संगठन हैं उन्हें भी कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया है, जिनका सम्मान किया जाएगा। प्रेस वार्ता के दौरान धर्म सेना के संरक्षक दीपक सिंह, प्रदेश अध्यक्ष सुरेंद्र बहादुर सिंह सहित बिलासपुर विभाग अध्यक्ष विष्णु पटेल, जिला अध्यक्ष सकेत शर्मा, जिला मीडिया प्रभारी नवीन गोयल, जिला मंत्री सेंटी गर्ग, जिला प्रशासनिक प्रमुख सदानंद राठौर व जिला महामंत्री नरेश राजपूत भी मौजूद थे।

ऑपरेशन घर वापसी चला रहे प्रबल प्रताप जूदेव

धर्म सेवा के जिला मीडिया प्रभारी नवीन गोयल ने बताया कि धर्म सेना छत्तीसगढ़ के प्रदेश संरक्षक प्रबल प्रताप सिंह जूदेव अपने पिता दिवंगत भाजपा नेता दिलीप सिंह जूदेव की तरह हिंदू धर्म छोड़कर दूसरे धर्म में गए परिवारों की विधि विधान से पैर धोकर हिंदू धर्म में वापसी के लिए ऑपरेशन घर वापसी चला रहे हैं। धर्म सेना के साथ चल रहे इस ऑपरेशन में अब अन्य हिंदू संगठन भी जुड़ रहे हैं। कोरबा जिले में पहली बार वृहद पैमाने पर घर वापसी का कार्यक्रम आयोजित हो रहा है।

मकान में जा घुसा ट्रेलर

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

नशे की हालत में एक ट्रेलर चालक अपनी ट्रेलर वाहन क्रमांक सीजी 12 एस 0822 को बांकीमोंगरा के एक घर में घुसा दिया। इस घटना में घर में मौजूद लोग बाल-बाल बच गए। वहीं ट्रेलर चालक ने वाहन से कूदकर अपनी जान बचाई। सूचना बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने ट्रेलर चालक को गिरफ्तार कर लिया है। घटना में मकान क्षतिग्रस्त हुआ है।